पहाड़ों पर बर्फ... मैदानों में बूंदाबांदी से ठिठुरन, श्रीनगर में पारा -8.6, डल झील में बर्फ जमी

नई दिल्ली/शिमला/श्रीनगर। (एजेंसी),

हिमाचल प्रदेश के शिमला में क्रिसमस से पहले सीजन की दूसरी बर्फबारी ने सैलानियों में जोश भर दिया। मैदानी क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान में सर्द हवाओं और कुछ जगहों पर बारिश के साथ तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

दिल्ली के RAU'S कोचिंग सेंटर हादसे में LG की कार्रवाई,दो सीनियर अफसर सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी),

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर कोचिंग सेंटर हादसे में लापरवाही बरतने पर एलजी वी.के. सक्सेना ने फायर सेफ्टी विभाग के दो अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। जुलाई में भारी बारिश के कारण बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की डूबने से मौत हो गई थी।

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in http://hindidaily.net

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 58 Tuesday, 24 December 2024, मंगळवार , २४ डिसेंबर २०२४ HYDERABAD 8 PAGES RS.1.00

संक्षिप्त समाचार

700 फीट गहरे बोरवेल में गिरी 3 साल की बच्ची आ रही रोने की आवाज

कोटपूतली (एजेंसी)। कोटपूतली में सोमवार दोपहर 1:50 बजे 3 साल की बच्ची बोरवेल में गिर गई। बोरवेल 700 फीट गहरा है। शुरुआत में बच्ची करीब 15 फीट की गहराई में थी, लेकिन अचानक फिसल कर और नीचे चली गई। मामला किरतपुरा क्षेत्र के बड़ीयाली ढाणी का है।

जानकारी के अनुसार- चेतना चौधरी पुत्री भूपेंद्र चौधरी घर के पास खेल रही थी। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह बोरवेल में गिर गई। रोने की आवाज सुनकर परिजन ने

तुरंत पुलिस को बच्ची के बोरवेल में गिरने की जानकारी दी। सरुण्ड थाना पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जेसीबी से बोरवेल के पास खुदाई शुरू कर दी गई है। बोरवेल में बच्ची तक पाइप के जरिए ऑक्सीजन पहुंचाई गई है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर लोग जुट गए। वही प्रशासन रेस्क्यू अभियान में जुटा है।

दो दिन पहले ही निकाला था पाइप- बच्ची के घर में खुदे हुए बोरवेल से दो दिन पहले ही प्लास्टिक का पाइप निकाला गया था। ऐसे में बोरवेल खुला पड़ा था। बोरवेल के अंदर से बच्ची की रोने की आवाज सुनाई दे रही है। घटना स्थल पर लोग जुट गए हैं।

बताया जा रहा है कि बोरवेल में 150 फीट पर पत्थर होने की वजह से उसका व्यास कम है। बच्ची के उससे ऊपर होने की संभावना जताई जा रही है।

जयपुर में जिस एलपीजी टैंकर में ब्लास्ट, उसका ड्राइवर जिंदा बचा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में एलपीजी ब्लास्ट मामले में पुलिस को टैंकर के ड्राइवर की जानकारी मिल गई है। एसएचओ भांकरोटा मनीष कुमार शर्मा ने बताया- टैंकर ड्राइवर टक्कर के दौरान गैस लीक होने पर जयपुर की तरफ दौड़ा था। इससे उसकी जान बच गई।

ड्राइवर ने ही टैंकर मालिक को फोन कर घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद से उसका फोन बंद आ रहा था। अब पुलिस ने टैंकर ड्राइवर जयवीर निवासी मथुरा को जयपुर बुलाया है। सोमवार सुबह पूर्व सीएम वसुंधरा राजे घायलों के परिवार वालों से मिलने एसएमएस हॉस्पिटल पहुंची। राजे ने उनसे बात की और हिम्मत दी। सीनियर डॉक्टरों से इलाज के बारे में पूछा।

मणिशंकर अय्यर बोले - कांग्रेस इंडिया ब्लॉक की अगुआई करना न सोचे

● ममता बनर्जी में क्षमता है, जो भी विपक्षी गठबंधन को लीड करना चाहे, उसे करने दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन इं..डि..या. ब्लॉक को लीड करने के बारे में नहीं सोचना चाहिए। अय्यर ने कहा, ममता बनर्जी में क्षमता है, दूसरे नेता भी हैं, जो गठबंधन को लीड कर सकते हैं। जो भी इसकी अगुआई करना चाहे, उसे करने देना चाहिए। मणिशंकर अय्यर ने कहा कि इससे फर्क नहीं पड़ता कि विपक्षी गठबंधन को कौन लीड करता है। वजह यह कि कांग्रेस और उनके नेताओं का स्थान हमेशा ही अहम रहेगा। जरूरी नहीं कि वो अकेली अहम पार्टी हो। वह विपक्षी गठबंधन में अहम पार्टी रहेगी।

सोनिया को लगता है कि मैं बेलगाम तोप हूं: मुझे नहीं पता कांग्रेस पार्टी को मेरे बारे में क्या अच्छा नहीं लगता। सोनिया गांधी ने कहा था कि मैं एक बेलगाम तोप हूं, लेकिन गांधी और नेहरू की कांग्रेस में बेलगाम तोपों को बहुत उपयोगी लोग माना जाता था।

एक्टिव पॉलिटिक्स के लिए बूढ़ा हूं

राहुल गांधी मुझसे 30 साल छोटे हैं। मैं उनके पिता से जुड़ा हुआ था, इसलिए राहुल को लगता है कि मैं उनके पिता की पीढ़ी का हूं। राहुल कांग्रेस के नेता हैं और मैं उनका अनुयायी हूं। इसलिए मुझे स्वीकार करना होगा कि मैं एक्टिव पॉलिटिक्स के लिए बहुत बूढ़ा हो चुका हूं, लेकिन मैंने कांग्रेस नहीं छोड़ी है। मैं कांग्रेस कभी नहीं छोड़ूंगा, खासकर भाजपा में जाने के लिए तो बिल्कुल नहीं।

कांग्रेस भी भाजपा की तरह- हर पार्टी का अलग-अलग कल्चर होता है। भाजपा में आप पीएम मोदी की तारीफ के बिना 2 लाइन भी नहीं लिख सकते हैं। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि कांग्रेस में भी ऐसा ही कल्चर रहा है। हालांकि यह भाजपा की तरह गुलामी वाला कल्चर नहीं है।

ममता बनर्जी ने कहा था- बंगाल से गठबंधन चला सकती हूं- हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव के बाद टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने कहा था, भाजपा की सरकार के खिलाफ विपक्ष में सभी को साथ लेकर चलना होगा। अगर मुझे जिम्मेदारी दी जाती है तो मैं इसे सही तरह से चलाने की कोशिश करूंगी। मैं बंगाल के बाहर नहीं जाना चाहती, लेकिन मैं विपक्षी गठबंधन को यहां से चला सकती हूं।

गांधी परिवार ने मेरा करियर बर्बाद किया- अय्यर ने खुलासा किया है कि पिछले 10 साल में उन्हें सोनिया गांधी से सिर्फ एक बार मिलने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने ही मेरा पॉलिटिकल करियर बनाया और बर्बाद भी किया है, लेकिन मैं कभी भाजपा में नहीं जाऊंगा।

कश्मीर पर पाक नीति पर फख्र - 2018 में कराची गए अय्यर ने कहा था कि उन्हें कश्मीर पर पाकिस्तान की नीति पर फख्र है। वो पाकिस्तान से भी उतना ही प्यार करते हैं जितना कि हिंदुस्तान से। उन्होंने भारत को नसीहत देते हुए कहा था कि भारत को भी अपने पड़ोसी देश से प्यार करना चाहिए जैसा वो खुद से करते हैं।

पीएम मोदी ने 71 हजार लोगों को जॉइनिंग लेटर बांटे

कहा- डेढ़ साल में करीब 10 लाख पक्की नौकरी दी, पहले की सरकारों ने ऐसा नहीं किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश के 45 जगहों पर आयोजित रोजगार मेले में 71 हजार युवाओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जॉइनिंग लेटर बांटे। 2024 लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल का यह दूसरा रोजगार मेला है।

पीएम मोदी ने कहा- पिछले डेढ़ साल में हमारी सरकार में करीब 10 लाख पक्की नौकरियां दी गईं। पहले की सरकारों ने ऐसा नहीं किया। आज युवाओं के लिए नए अवसरों का निर्माण हो रहा है।

रोजगार मेले की शुरुआत अक्टूबर 2022 में हुई थी। अब तक 14 मेलों में 9.22 लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है। इससे पहले आखिरी रोजगार मेला 29 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया था, जिसमें 51 हजार से ज्यादा लोगों को जॉइनिंग लेटर बांटा गया था।

विकसित भारत पर: भारत ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। हमें इस संकल्प पर भरोसा है और लक्ष्य की प्राप्ति का विश्वास है, क्योंकि भारत में हर नीति और हर निर्णय के केंद्र में भारत का प्रतिभाशाली युवा है। आज देश में न केवल लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल रही हैं, बल्कि ये नौकरियां पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दी जा रही हैं।

अर्थव्यवस्था पर- आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी बन गए और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत है। भारत ने अपने स्पेस, डिफेंस सेक्टर में नीतियां बदलीं और मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दिया है। इसका फायदा भारत के युवाओं को हुआ। वो नए आत्मविश्वास से भरा हुआ है। वो सब जगह अपना परचम लहरा रहा है।

महिलाओं पर- आज हजारों बेटियों को भी नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। प्रयास है कि हर क्षेत्र में महिलाएं आत्मनिर्भर बनें। गर्भवती महिलाओं को 26 हफ्ते की छुट्टी के हमारे फैसले ने हजारों बेटियों के सपने को टूटने से रोका, उनके करियर में सहायता की। सुकन्या समृद्धि योजना से निश्चित किया कि उनकी पढ़ाई में आर्थिक परेशानी न आए। जनधन खाते खोले जिससे सरकारी योजनाओं का फायदा सीधे मिला। मुद्रा योजना से महिलाओं को बिना गारंटी लोन मिलने लगा।

बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर डिजिटल अरेस्ट, 11 करोड़ वसूले

● टीआरएआई अधिकारी बनकर कॉल की, आधार-सिम के फर्जी इस्तेमाल की जानकारी देकर डराया

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के हेब्बल में 39 साल के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर डिजिटल अरेस्ट का शिकार हुए। ठगों ने उन्हें डरा-धमकाकर 11.8 करोड़ रुपए वसूल लिए। बाद में शक होने पर इंजीनियर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला एक महीने पुराना है। पुलिस को दिए बयान के मुताबिक शख्स ने 25 नवंबर से 12 दिसंबर के बीच पैसे गंवाए। ठगों ने इंजीनियर को ट्राई (टेलिकॉम रेगुलेरिटी ऑफ इंडिया) अधिकारी बनकर कॉल किया था और आधार-सिम के फर्जी इस्तेमाल की जानकारी देकर डराया था।

11 नवंबर को पहली कॉल आई, ट्राई अधिकारी बनकर धमकाया- सॉफ्टवेयर इंजीनियर विक्रम (बदला हुआ नाम) को 11 नवंबर को सुबह करीब 10.30 बजे मोबाइल नंबर 8791120931 से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को टीआरएआई का अधिकारी बताया और विक्रम से कहा कि उसके नाम से खरीदे गए सिम कार्ड का इस्तेमाल अवैध विज्ञापनों और धमकी भरे मैसेजों के लिए किया जा रहा है।

यूपी के पीलीभीत में 3 खालिस्तानी आतंकियों का एनकाउंटर

● पंजाब में थाने पर हमला किया था, 2 एके47 और कारतूस बरामद

पीलीभीत (एजेंसी)। यूपी के पीलीभीत में 3 खालिस्तानी आतंकियों को एनकाउंटर में मार गिराया गया। पीलीभीत पुलिस और पंजाब पुलिस ने सोमवार तड़के यह ऑपरेशन किया। सभी आतंकी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के सदस्य थे। इन्होंने 19 दिसंबर को पंजाब के गुरदासपुर जिले में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला किया था। आतंकियों के पास से 2 एके-47 राइफल, 2 ग्लॉक पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए। मारे गए आतंकियों में गुरदासपुर निवासी गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र सिंह उर्फ रवि और जसप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह हैं। पीलीभीत के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र में एनकाउंटर हुआ। गोली लगने के बाद तीनों घायलों को पूरनपुर सीएचसी लाया गया। वहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि तीनों आतंकी एक बाइक पर सवार थे। पुलिस ने घेरा तो वह भागने लगे।

आतंकियों को घेरा तो पुलिस पर ताबड़तोड़ फायर किए : एसपी

पीलीभीत एसपी अविनाश पांडेय ने बताया- सोमवार सुबह पंजाब की गुरदासपुर पुलिस की टीम थाना पूरनपुर पहुंची। सूचना दी कि उनके यहां कुछ दिन पहले गुरदासपुर में बख्शीवाल पुलिस चौकी पर खालिस्तानी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया था।

परभणी हिंसा- राहुल गांधी मृतक सोमनाथ के परिवार से मिले

बोले- ये 100 प्रतिशत हिरासत में मौत, सीएम फडणवीस ने विधानसभा में झूठ बोला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के परभणी में 10 दिसंबर को अंबेडकर स्मारक में तोड़फोड़ हुई थी। घटना के 12 दिन बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को परभणी पहुंचे। उन्होंने यहां मृतक सोमनाथ सूर्यवंशी और विजय वाकोडे को श्रद्धांजली दी। साथ ही उनके परिवारों से मुलाकात की। सोमनाथ सूर्यवंशी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसकी 15 दिसंबर को पुलिस कस्टडी में मौत हुई थी।

राहुल ने कहा, मैं अभी पीड़ित परिवार से मिला, उन लोगों ने मुझे पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोटो-वीडियो दिखाए, सोमनाथ की मौत 100 प्रतिशत कस्टोडियल (हिरासत में मौत) डेथ है, पुलिस ने इनकी हत्या की है। चीफ मिनिस्टर ने पुलिस को मैसेज देने के लिए असेंबली में झूठ बोला है।

राहुल ने कहा- सोमनाथ को इसलिए मारा गया क्योंकि वो दलित है और संविधान की रक्षा कर रहा था। आरएसएस की विचारधारा संविधान को खत्म करने की है।

परभणी में क्या हुआ

10 दिसंबर- सोपन दत्तराव पवार नाम के व्यक्ति ने परभणी रेलवे स्टेशन के सामने अंबेडकर स्मारक में संविधान की रेप्लिका पर लगा कांच तोड़ा था। भीड़ ने पवार को पीटा था। बाद में उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी मानसिक रोगी है।

11 दिसंबर- अंबेडकर स्मारक में तोड़फोड़ के विरोध में परभणी बंद बुलाया गया था। लोगों की मांग आरोपी को फांसी देने की थी।

पूर्व आईएएस पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

● पीएससी एग्जाम में धोखाखड़ी का आरोप; फर्जी दस्तावेज लगाए थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को पूर्व आईएएस पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। पूजा पर पीएससी एग्जाम में धोखाधड़ी और ओबीसी और विकलांगता कोटे का गलत तरीके से फायदा लेने का आरोप है। यूपीएससी की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस ने पूजा खेडकर के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज किया था। पूजा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। जस्टिस चंदर धारी सिंह की बेंच ने 27 नवंबर को मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

इससे पहले दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 1 अगस्त को पूजा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि पूजा पर लगे आरोप गंभीर हैं। पूरी साजिश का खुलासा करने और इसमें अन्य लोगों के शामिल होने की पुष्टि के लिए उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत है।

यूपीएससी ने मामला वापस लिया, नया केस दायर करेगी- यूपीएससी ने झूठी गवाही का केस वापस ले लिया और कहा कि वह अलग से केस दायर करेगी। यूपीएससी ने पूजा पर जस्टिस सिस्टम में हेरफेर की कोशिश करने और गलत हलफनामा देकर झूठी गवाही देने का भी आरोप लगाया है।

लखनऊ में 'आप' नेताओं ने अमित शाह की फोटो जलाई

पुलिस से हुई झड़प, बोले- जिसने धरती को स्वर्ग बनाया वो है अंबेडकर

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कैसरबाग स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे से विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका। आप पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पोस्टर जलाया। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने अमित शाह पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया।

हाथ में अमित शाह का पोस्टर लेकर मुर्दाबाद के नारे लगा रहे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर झड़प हुई। विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस को काफी देर संघर्ष करना पड़ा। आम आदमी पार्टी की नेत्री इरम ने कहा कि उच्च सदन में गृहमंत्री द्वारा बाबा साहब को लेकर दिया गया बयान शर्मनाक है।

सहारनपुर में हिंदू देवी-देवताओं पर टिप्पणी, हंगामा

हिंदू संगठन ने थाने का घेराव कर पढ़ी हनुमान चालीसा, आरोपी को अरेस्ट करने की मांग

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर में हिंदू देवी-देवताओं, साधु-संतों और गौ माता के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणियां करने को लेकर हिंदू संगठन ने हंगामा कर दिया। हिंदू संगठन के लोगों ने नामजद तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

लेकिन पुलिस द्वारा कोई एक्शन नहीं लेने पर हिंदू संगठनों ने थाने का घेराव कर लिया। थाने के बाहर सड़क पर बैठक हनुमान चालीसा पढ़ी। आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। मामला थाना रामपुर मनिहारान का है। सोशल मीडिया पर डाले थे पोस्ट-थाना रामपुर मनिहारान इंस्पेक्टर संजीव कुमार को सनातन धर्म सभा के सदस्यों ने ज्ञापन सौंपा। मोहल्ला इकराम में रहने वाले एक युवक पर आरोप लगाया कि युवक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर हिंदू देवी-देवताओं, साधु-संतों और गौ माता के खिलाफ लगातार अभद्र कमेंट कर रहा है।

थाने के बाहर पढ़ी हनुमान चालीसा

हिंदू संगठन के लोगों ने थाने का घेराव कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर हिंदू संगठन लोग अड़े रहे। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। लेकिन हिंदू संगठन के लोग थाने के बाहर सड़क पर बैठ गए और हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे। सनातन धर्म सभा ट्रस्ट के प्रधान चौधरी जयराज पंवार ने कहा कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होगी वो रात भर सड़क पर बैठे रहेंगे।

भीम आर्मी के पूर्व जिलाध्यक्ष का है भाई- प्रधान चौ. जयराज पंवार ने बताया कि आरोपी को कई बार समझाया भी है कि इस तरह के पोस्ट मत डाल।

संपादकीय

सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के बाद की दिशा

पंजाब जिसे हरित क्रांति की भूमि के रूप में जाना जाता है, अब पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक नई चुनौती का सामना कर रहा है। 10 दिसम्बर 2024 से राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक (एस.यू.पी.) पर पूर्ण प्रतिबंध लागू हो चुका है। यह निर्णय केवल पर्यावरणीय संकट से निपटने का संकेत है बल्कि यह पंजाब के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव की दिशा में भी एक कदम है। हालांकि इस प्रतिबंध की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे शहरी और ग्रामीण दोनों स्तरों पर कितनी प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है।

आंकड़े और प्रभाव ~ पंजाब हर साल लगभग 6 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जिसमें से 12 प्रतिशत सिंगल यूज प्लास्टिक है। यह कचरा नदियों, नालों और खेतों में फैलकर न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। शहरी इलाकों में खासकर लुधियाना, अमृतसर और चंडीगढ़ जैसे बड़े शहरों में प्लास्टिक कचरे के कारण बरसात के मौसम में नालों का जाम होना और जलभराव आम समस्याएं बन गई हैं। प्लास्टिक बैग और अन्य एस.यू.पी. उत्पाद जैसे डिस्पोजेबल प्लेट्स और गिलास, कचरे का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं।

ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी चिंताजनक है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी.ए.यू.) के एक अध्ययन के अनुसार संगरूर और मानसा जैसे जिलों में करीब 15 प्रतिशत खेतों में प्लास्टिक कचरे का जमाव पाया गया है। यह कचरा मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करता है जिससे फसलों की पैदावार कम हो जाती है। किसानों के लिए यह समस्या तब और गंभीर हो

जाती है जब वे प्लास्टिक कचरे को जलाने के लिए मजबूर हो जाते हैं जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता है। आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां ~ पंजाब का आर्थिक ढांचा छोटे और मध्यम उद्योगों (एम.एस.एम.ई.एस.) पर टिका हुआ है। राज्य में 5000 से अधिक प्लास्टिक निर्माण इकाईयां हैं जो लगभग 50,000 लोगों को रोजगार देती हैं। इन उद्योगों के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। लुधियाना का हौजरी उद्योग इसका एक उदाहरण है। यहां उत्पादों को पैक और शिप करने के लिए प्लास्टिक पैकेजिंग का उपयोग किया जाता है। बायोडिग्रेबेल विकल्प अपनाने से उनके पैकेजिंग खर्च में 30-40 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए यह लागत बढ़ाना मुश्किल होगा। छोटे विक्रेता और सड़क पर खाद्य पदार्थ बेचने वाले फेरीवाले भी इस प्रतिबंध से प्रभावित होंगे। जालंधर और बठिंडा जैसे शहरों में स्ट्रीट फूड व्यवसाय प्लास्टिक डिस्पोजेबल के उपयोग पर निर्भर हैं। इनके लिए बांस, स्टील या कागज आधारित विकल्पों की उच्च कीमत एक बड़ी बाधा है। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लागू करने में बड़ी चुनौती यह है कि पंजाब के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच एक बड़ा अंतर है। शहरी क्षेत्रों में जहां जागरूकता और बुनियादी ढांचा बेहतर है, प्रतिबंध को लागू करना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां प्लास्टिक उत्पाद सस्ते और आसानी से उपलब्ध हैं, विकल्प अपनाना एक चुनौती है। इसके अलावा प्लास्टिक उत्पादों की तस्करी एक अन्य समस्या बन सकती है। पड़ोसी राज्यों से सस्ती प्लास्टिक वस्तुओं की आपूर्ति को रोकने के लिए कड़े कानून और प्रभावी निगरानी प्रणाली की आवश्यकता होगी। पंजाब में प्लास्टिक संकट से निपटने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। राज्य सरकार को उद्योगों और छोटे व्यवसायों को किफायती विकल्प उपलब्ध कराने के लिए सबसिडी या कर छूट देनी चाहिए। उदाहरण के लिए लुधियाना में कुछ छोटे उद्योग बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग के लिए रिसर्च कर रहे हैं। ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करना चाहिए। गांवों में पंचायतों को जिम्मेदारी सौंप कर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम किया जा सकता है। स्कूलों और स्थानीय सामुदायिक केंद्रों में जागरूकता अभियान चलाने से ग्रामीण इलाकों में प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी बढ़ाई जा सकती है। पंजाब हर साल 2 करोड़ टन पराली का उत्पादन करता है, जिसका बड़ा हिस्सा जलाया जाता है। पराली का उपयोग बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक और पैकेजिंग सामग्री बनाने में किया जा सकता है। पटियाला में एक पायलट परियोजना ने यह दिखाया है कि पराली से बने उत्पाद लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल हो सकते हैं।

प्रदूषित हवा में सांस लेने को अभिशप्त भारतीय?, दिल्ली में एक्यूआई बेहद खराब

राजकुमार सिंह

दिल्ली-एनसीआर फिर सांसों के संकट से रूबरू है. दिसंबर में ही दूसरी बार बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के तात्कालिक उपायों के तौर पर ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप)-4 लागू करना पड़ा है, क्योंकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) फिर से 450 के पार चला गया. 301 पार करते ही खतरनाक की श्रेणी में पहुंच जानेवाला एक्यूआई 20 दिसंबर की सुबह दिल्ली में 588 पर था. कमर्शियल वाहन छोड़िए, बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल निजी कार तक पर प्रतिबंध है-भले ही आपके पास प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र हो और आपकी कार 'फिटनेस' अवधि में. टैक्सी और दुपहिया वाहनों पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं है. क्या यह अतार्किक नहीं है? कक्षाएं ऑनलाइन हैं तो 'वर्क फ्रॉम होम' का फरमान जारी है. हर काम घर से नहीं हो सकता. जो हो सकते हैं, उनकी भी अनुमति ऑफिस की मर्जी पर निर्भर है. निर्माण कार्य आदि तो ग्रेप की शुरुआती स्टेज पर ही बंद हो जाते हैं. निर्माण-श्रमिकों को आर्थिक राहत की बात कही जाती है, पर वह कितनों को कितनी मिल पाती है, यह अध्ययन का विषय है. बेशक जब हालात बेकाबू हो जाएं, जैसे कि एक्यूआई फिर 450 के पार चले जाने पर हो गए तो आपातकालीन कदम उठाने ही पड़ते हैं, पर उनसे जन-जीवन पर पड़नेवाले नकारात्मक असर के अध्ययन की जहमत कोई नहीं उठाता. यह समस्या पहली बार भी नहीं. हर साल कम-से-कम दो-तीन बार ऐसी नौबत आती है, जब आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं. आखिर सरकारें आग भड़कने पर ही कुआं खोदने की मानसिकता से उबर कर आग लगने से रोकने के लिए ही जरूरी एहतियाती कदम क्यों नहीं उठातीं? क्या यह शर्मनाक नहीं कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था भारत की राजधानी दिल्ली के निवासियों को पिछले साल सिर्फ दो दिन ही सांस लेने लायक साफ हवा मिली? सच यह है कि देश में एक भी शहर ऐसा नहीं, जिसकी हवा साफ यानी स्वास्थ्य मानकों के मुताबिक सांस लेने लायक हो. यह खुलासा अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ की ताजा रिसर्च में किया गया है. रिसर्च स्पष्ट कहती है कि भारत के एक भी शहर की हवा सांस लेने लायक नहीं और वायु प्रदूषण का स्तर इतना खराब है कि कोई क्षेत्र ऐसा नहीं बचा, जहां हवा का वार्षिक स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों पर खरा उतरता हो.

आज का कार्टून

कैंसर के खिलाफ जंग में जगी उम्मीदें

कैंसर के खिलाफ रूसी टीके को भारत में बड़ी आस से देखने की बड़ी वजह इस देश का कैंसर की राजधानी बनते जाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुमानों के अनुसार, भारत में प्रत्येक 10 भारतीयों में से 1 को अपने पूरे जीवनकाल में कैंसर विकसित होने की आशंका है, जो एक गंभीर बात है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम का आकलन बताता है कि वर्ष 2022 में भारत में कैंसर के मामलों की संख्या 14 लाख से अधिक थी, जिसके अब जल्द ही वर्ष 2025 में बढ़कर 15.7 लाख हो जाने की आशंका है। वर्ष 2022 में कैंसर के जो नए मामले सामने आए थे, उनमें से 7.22 लाख महिलाओं में जबकि 6.91 लाख पुरुषों में कोई न कोई कैंसर पाया गया। भारत में 2022 में 9.16 लाख मरीजों की कैंसर से मौत हुई। ये आंकड़े भारत में कैंसर रोग की वैश्विक राजधानी साबित करते हैं।

डॉ. संजय वर्मा

करीब दो साल से यूक्रेन से युद्ध में उलझे रूस से यह खबर मिलना हर किसी को विस्मित कर सकता है कि उसने कैंसर जैसे गंभीर मर्ज के खिलाफ एक टीका (वैक्सीन) विकसित कर लिया है। इसका ऐलान खुद रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर ने किया है। रूस के सरकारी मीडिया से मिली इस खबर के आधार जाएं, तो सवाल उठ सकता है कि आखिर यह टीका कितना असरदार है। इसकी असली परीक्षा तभी होगी, जब बाकी दुनिया को इसके परीक्षण का मौका मिलेगा। लेकिन फिलहाल के दावे के मुताबिक वर्ष 2025 से यह टीका सभी रूसी नागरिकों के लिए मुफ्त में उपलब्ध हो जाएगा।

यह देखते हुए कि भारत समेत पूरी दुनिया को लंबे अरसे तक तकरीबन लाइलाज मानी जाती रही और फिर काफी जटिल चिकित्सा के सहारे कुछ हद तक इससे मुक्ति मिलने लगी है, यहां पहला सवाल टीके की विश्वसनीयता का ही उठ सकता है। एक तरफ जहां हमारे देश में पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू हाल में अपनी पत्नी का भोजन बदलकर प्रभावी आयुर्वेदिक इलाज का दावा कर चुके हैं, लोग पूछ सकते हैं कि क्या रूसी टीका इतना भरोसेमंद होगा कि अगर वह यहां उपलब्ध हुआ, तो आंख मूंदकर लगवा लिया जाए।

इस संदर्भ में एक उदाहरण देना प्रासंगिक होगा। कोविड-19 महामारी के तेज वैश्विक प्रसार के दौरान रूस ने वैक्सीन-स्पुतनिक वी का निर्माण किया था, तो खुद सबसे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यह टीका लगवाया था। हो सकता है कि इस बार भी पुतिन कुछ ऐसा ही करिश्मा करें और तब दुनिया इस पर यकीन करने लगे कि असाध्य कहलाने की श्रेणी में आने वाली कैंसर नामक बीमारी का आसान तोड़ आखिरकार मिल ही गया है। वैसे यहां उल्लेखनीय यह है कि एक शोध समाचार वेबसाइट- 'द साइंटिस्ट' के मुताबिक करीब डेढ़ दशक पहले न्यूयॉर्क स्थित एक बायोटेक कंपनी ने अप्रैल, 2008 में घोषणा कर दी थी कि उसे रूस में पहली चिकित्सकीय कैंसर वैक्सीन बनाने के लिए मंजूरी मिल गई है। इसे किसी देश के कैंसर रोकथाम नियामक द्वारा दी गई पहली मंजूरी माना गया था। हालांकि, बाद के दो दशकीय अंतराल में यह नहीं पता चला कि कैंसर टीके के विकास के काम का क्या हुआ। लेकिन इसी साल फरवरी, 2024 में मॉस्को फोरम ऑन फ्यूचर टेक्नोलॉजी प्रोग्राम के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने आश्वासन दिया था कि उनके वैज्ञानिक जल्दी ही दुनिया को कैंसर का टीका उपलब्ध करा देंगे। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि ये टीके रूस के बाहर कब से मिलेंगे और कैंसर के किन प्रकारों की रोकथाम करेंगे।

जहां तक इस टीके के निर्माण की प्रक्रिया (बनावट) की बात है, तो यह एमआरएनए (यह एक अणु है जो डीएनए से विशिष्ट निर्देश प्राप्त करता है) किस्म की वैक्सीन है। असल में, इस किस्म के पारंपरिक टीके बनाने में बीमारी की रोकथाम के लिए उसी वायरस या मर्ज के रोगाणुओं का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे खुद वह बीमारी पैदा होती है। अंतर सिर्फ यह है कि ऐसा करते वक्त कैंसर कोशिकाओं की सतह से उन हानिरहित प्रोटीन को उठाकर अलग किया

जाता है, जिन्हें एंटीजन के रूप में जाना जाता है। ये एंटीजन टीके के निर्माण की प्रक्रिया में चिकित्सकीय परीक्षण (क्लिनिकल ट्रायल) के दौरान इंसानी शरीर में प्रविष्ट कराए जाते हैं और तब इनके सहारे बीमारी के खिलाफ कारगर एंटीबॉडी विकसित करने हेतु शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित किया जाता है। एमआरएनए टीके में संदेशवाहक की भूमिका में आए आरएनए के एक छोटे टुकड़े का उपयोग किया जाता है, जिससे शरीर की कोशिकाओं को कैंसर कोशिकाओं से संबंधित एक विशिष्ट प्रोटीन का उत्पादन करने का निर्देश मिलता है। याद रहे कि कोविड महामारी से लड़ने के लिए इस्तेमाल में लाई गई वैक्सीन कोविशील्ड इसी किस्म का टीका था।

वैसे, कैंसर से बचाव और रोकथाम की दिशा में टीका बनाने की कोशिश करने वाले देश के रूप में रूस अकेला नहीं है। ब्रिटेन और जर्मनी समेत कई अन्य देशों में बायोटेक कंपनियां कैंसर के खिलाफ कारगर दवाएं और टीके विकसित करने में जी-जान से लगी हुई हैं। जैसे ब्रिटिश सरकार जर्मनी की मशहूर फार्मा कंपनी बायोनटेक के साथ मिलकर कैंसर के उपचार के लिए वैक्सीन का क्लिनिकल ट्रायल कर रही है। उम्मीद है कि वर्ष 2030 तक करीब 10 हजार कैंसर मरीज लाभान्वित हो सकते हैं। उधर अमेरिका की मॉडर्ना और मर्क फार्मा कंपनी त्वचा कैंसर की एक प्रायोगिक वैक्सीन पर काम कर रही हैं, जिसके शुरुआती नतीजे सकारात्मक बताए जा रहे हैं। अध्ययन से जुड़े दावों के मुताबिक इस टीके ने तीन साल के इलाज के बाद त्वचा कैंसर के एक घातक रूप - मेलेनोमा के कारण होने वाली मौतों की आशंका को घटाकर आधा कर दिया है। इन टीकों के अलावा छह अन्य कैंसर टीकों पर भी काम चल रहा है जो ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) की रोकथाम कर सकते हैं। ये टीके वायरस सर्विकल (गर्भाशय) कैंसर समेत कुछ अन्य प्रकार के कैंसर रोगों से बचाव कर सकते हैं।

एक और उदाहरण कैंसर की एओएच1996 नामक दवा के मानव परीक्षण (इंसानी ट्रायल) का है, जो पिछले साल सितंबर, 2023 से अमेरिका में शुरू किया गया है। इस दवा का नाम 1996 में जन्मी लड़की आना ओलिविया हीली से प्रेरित है, जिसे न्यूरोब्लास्टोमा नाम का बच्चों को होने वाला कैंसर था और इसी से 2005 में नौ साल की उम्र में उसकी मौत हो गई थी। पेट, छाती और गले की हड्डियों में होने वाले कैंसर से बचाव और रोकथाम में मददगार इस दवा का नाम ओलिविया को श्रद्धांजलि के रूप में रखा गया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह दवा शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना ही कैंसर के ट्यूमर को जड़ से खत्म कर सकती है।

कैंसर के खिलाफ रूसी टीके को भारत में बड़ी आस से देखने की बड़ी वजह इस देश का कैंसर की राजधानी बनते जाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुमानों के अनुसार, भारत में प्रत्येक 10 भारतीयों में से 1 को अपने पूरे जीवनकाल में कैंसर विकसित होने की आशंका है, जो एक गंभीर बात है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम का आकलन बताता है कि वर्ष 2022 में भारत में कैंसर के मामलों की संख्या 14 लाख से अधिक थी, जिसके अब जल्द ही वर्ष 2025 में बढ़कर 15.7 लाख हो जाने की आशंका है। वर्ष 2022 में कैंसर के जो नए मामले सामने आए थे, उनमें से 7.22 लाख महिलाओं में जबकि 6.91 लाख पुरुषों में कोई न कोई कैंसर पाया गया।

भारत में 2022 में 9.16 लाख मरीजों की कैंसर से मौत हुई। ये आंकड़े भारत में कैंसर रोग की वैश्विक राजधानी साबित करते हैं। स्वास्थ्य जर्नल- द लैंसेट के शोधकर्ताओं ने पाया है कि हर साल तंबाकू के सेवन से भारत, चीन, ब्रिटेन, ब्राजील, रूस, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका में ही 13 लाख मौतें हो रही हैं। यह संख्या कुल कैंसर मौतों की आधी है। हालांकि इसका अकेला गंभीर पीड़ित भारत नहीं है। दुनिया में हर छठवीं मौत के लिए कैंसर को जिम्मेदार माना जाता है। इसमें अमीर-गरीब का फर्क भी नहीं है। इसी साल की शुरुआत में ब्रिटेन के 75 वर्षीय राजा चार्ल्स के कैंसरग्रस्त होने का पता चला है। ऐसे में, रूसी टीका भारत समेत पूरी दुनिया को अगर मिल सका तो इसके सहारे रूस की सॉफ्टपावर में हुआ इजाफा हर किसी को उसका मुरीद बना सकता है।

(लेखक मीडिया यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।)

महिलाओं की सत्ता में बराबरी के अधिकार की लड़ाई अभी बाकी

आजादी के बाद भी स्त्रियों को अधिकारों के लिए लगातार लडना पड़ा। सरकारी नौकरियों तथा जन प्रतिनिधित्व अधिकार के लिए लंबी लड़ाई लड़ी गई। तब जाकर वर्ष 2023 में संविधान में 106वां संशोधन किया गया। महिला आरक्षण अधिनियम नारीशक्ति वंदन पारित किया गया। इसके तहत लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें आरक्षित की गई हैं, मगर इसे 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू नहीं किया जा सका। यह परिसीमन के बाद ही लागू होगा। परिसीमन 4 साल से लंबित पड़े जनगणना का कार्य संपन्न होने के बाद ही उसके डाटा मिलने पर संभव होगा।

अकु श्रीवास्तव

6 दिसम्बर 2007 को सुप्रीम कोर्ट ने रूढ़िवाद पर आधारित महिलाओं पर बंदिश लगाने वाले कानून को खारिज किया। यह ऐतिहासिक दिन था। इसके बाद धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाने वाले संविधान के अनुच्छेद 15 की महिलाओं के अधिकारों के संबंध में व्यापक व्याख्याएं हुई हैं।

उक्त मुकद्दमे में याचिकाकर्ता थे अनुज गर्ग एवं अन्य तथा प्रतिवादी थी होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं अन्य। न्यायमूर्ति एस.बी. सिन्हा और हरजीत सिंह बेदी की पीठ द्वारा पंजाब आबकारी अधिनियम-1914 की धारा 30 को चुनौती दी गई है, जो 25 वर्ष से कम आयु की महिला को किसी ऐसे परिसर में जाने से रोकती थी, जहां शराब या मादक पदार्थ का सेवन जनता द्वारा किया जाता है। इस तरह महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में कहा जा सकता है कि लैंगिक समानता का सिद्धांत भारतीय संविधान में निहित है। इसमें मूल अधिकार से जुड़ा 14वां अनुच्छेद भी शामिल है, जिसमें विधि के समक्ष समान संरक्षण प्राप्त है।

विद्वानों का मानना है कि वैदिक काल के प्राचीन भारत में महिलाओं को जीवन के सभी क्षेत्रों में बराबरी का दर्जा हासिल था। हालांकि

स्मृतिकाल में उनके स्तर में बदलाव आना शुरू हो गया है। चौथी शताब्दी ई.पू. के माने जाते अपस्तंभ सूत्र में नारी सुलभ आचरण संबंधी नियमों को 1730 में त्रयम्बक यज्वन ने स्त्रीधर्मपद्धति में संकलित किया था। इसका मुख्य छंद था 'मुख्यो धर्मः स्मृतिषु विहितो भार्तृशुश्रुषानाम हि' अर्थात स्त्री का मुख्य कर्तव्य उसके पति की सेवा से जुड़ा है। मध्यकाल में बाहरी आक्रमणों के कारण भारतीय समाज में महिलाओं पर कई तरह की बंदिशें थोपी गईं, जिसने समाज में स्त्रियों के प्रति एक बहुत ही संकुचित सोच का निर्माण किया। इस सोच से स्वतंत्रता की लड़ाई अब तक जारी है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान समाज सुधारक राजा राममोहन राय ने महिलाओं के खिलाफ सती प्रथा जैसी कुरीतियों को बंद कराया। महिला अधिकारों को आज सबसे जागरूक समझे जाने वाले केरल राज्य में 18वीं-19वीं सदी में दलित स्त्रियों से बेहद बुरा बर्ताव हो रहा था। उन्हें वक्ष ढंकने की इजाजत नहीं थी। पढ़ना-लिखना मना था। उनका सार्वजनिक स्थानों पर प्रवेश वर्जित था और यहां तक कि उन्हें बाजारों में भी नहीं घुसने दिया जाता था। ऐसे में तिरुवनंतपुरम के पास एक गांव वेगनूर में पुलाया नामक दलित समुदाय में जन्मे अय्यनकली ने दलित महिलाओं को अधिकार दिलाने और लड़कियों को स्कूल में प्रवेश दिलाने के लिए आंदोलन किया। ऐसी ही समाज सुधारक और पहली महिला शिक्षक सावित्री बाई फुले ने स्त्रियों के अधिकारों, अशिक्षा, छुआछूत, बाल विवाह और विधवा को विवाह के अधिकार के लिए आवाज उठाई और अंधविश्वासों के खिलाफ लंबा संघर्ष किया। सावित्री बाई फुले ने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर लड़कियों के लिए 18 स्कूल खोले।

आजादी के बाद भी स्त्रियों को अधिकारों के लिए लगातार लडना पड़ा। सरकारी नौकरियों तथा जन प्रतिनिधित्व अधिकार के लिए लंबी लड़ाई लड़ी गई। तब जाकर वर्ष 2023 में संविधान में 106वां संशोधन किया गया। महिला आरक्षण अधिनियम नारीशक्ति वंदन पारित किया गया। इसके तहत लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें आरक्षित की गई हैं, मगर इसे 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू नहीं किया जा सका। यह परिसीमन के बाद ही लागू होगा। परिसीमन 4 साल से लंबित पड़े जनगणना का कार्य संपन्न होने के बाद ही उसके डाटा मिलने पर संभव होगा। यदि नए साल में जनगणना का काम शुरू हो जाता है तो संभव है कि इसके पूरे आंकड़े अगले साल तक मिल जाएंगे। ऐसे में वर्ष 2026 से पहले इसके लागू होने की संभावना नहीं बन रही है। इस कानून को पारित होने के बाद भी सत्तारूढ़ दल ने इसके 2026 तक प्रभावी हो जाने का अनुमान जताया था। हालांकि तब भी विपक्ष ने 2024 में इसे लागू न करने को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए थे।

मगर जब 2024 के लोकसभा चुनाव और बाद में हरियाणा, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर तथा महाराष्ट्र विधानसभाओं के चुनाव हुए तो किसी भी राजनीतिक दल ने महिलाओं को एक तिहाई टिकटें देने का साहस नहीं दिखाया। यानी महिलाओं के अधिकारों के नाम पर कुल जमा सारी बयानबाजी राजनीति करने तक सीमित है। अलबत्ता चुनावी राजनीति में महिलाओं ने अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव में 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले अधिक संख्या में मतदान किया। अगर समूचे भारत की बात करें तो 65.8 फीसदी महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया, जबकि पुरुषों की संख्या 65.7 फीसदी रही। राजनीति वह क्षेत्र है, जहां पुरुषों का वर्चस्व है। अमरीका जैसे विकसित देश में महिलाओं के राजनीतिक वर्चस्व को स्वीकार करने में हिचक है। वहां हाल ही में हुए चुनाव में सबने देखा कि चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रम्प और उनके सहयोगियों ने उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस का मजाक उनके महिला होने को लेकर लगातार उड़ाया। मतदान का डाटा भी बता रहा है कि वहां पुरुषों ने ट्रम्प को ज्यादा वोट दिए। इसलिए सत्ता में बराबर की भागीदारी के लिए भारत में भी महिलाओं को अभी काफी लड़ाई लडनी है। अभी तो सिर्फ एक तिहाई की बात हो रही है।

गुलाब के पौधे में भर-भरकर आएंगी कलियां और फूल, यह 1 देसी नुस्खा आएगा काम

गुलाब के पौधे में अगर कलियां और फूल नहीं आ रहे हैं, तो आप घर पर ही एक नेचुरल फर्टिलाइजर बना सकते हैं, जो पौधे की ग्रोथ के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। आइए जानें फर्टिलाइजर बनाने का तरीका...

अगर आप घर में पौधे लगाने का शौक रखते हैं, तो आपको गुलाब का प्लांटअपने गार्डन में जरूर लगाना चाहिए। गुलाब का पौधा देखने में बहुत ही खूबसूरत होता है। इस पर फूल खिलने लगे, तो इसकी खूबसूरती में चार-चांद लग जाते हैं। इस पौधे को अन्य पौधों के मुकाबले ज्यादा केयर की जरूरत होती है। कई बार तो बहुत ज्यादा देखभाल करने के बाद भी गुलाब के पौधे ना ही कलियां आती हैं और ना ही फूल खिलते हैं। अगर आपके पौधे में भी पूरी देखभाल करने के बाद भी गुलाब की कलियां नहीं आ रही हैं और फूल भी नहीं खिल रहे हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है।

पौधों को हेल्दी रहने के लिए विटामिन, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स की जरूरत होती है। ऐसे में पौधे को न्यूट्रिएंस देने के लिए आप घर पर एक देसी फर्टिलाइजर बना सकते हैं। आज हम आपको एक ऐसे देसी नुस्खे के बारे में बताएंगे, जिसकी मदद से आप अपनी घर की बेकार चीजों की मदद से ही फ्री में बिना पैसा खर्च किए गुलाब के पौधे को फूलों से भर सकते हैं। आइए जानें गुलाब के पौधे में फूल उगाने का देसी नुस्खा...

देसी फर्टिलाइजर बनाने के लिए चाहिए

- दाल का पानी
- चावल का पानी
- सब्जियों के छिलके
- फलों के छिलके
- पुरानी बाल्टी/मटका

कैसे बनेगा फर्टिलाइजर

- एक पुरानी बाल्टी या मटके में रोजाना अपने किचन से निकले हुए फलों और सब्जियों के छिलकों को जमा करें।
- इसी बाल्टी में छिलकों के साथ आधी बाल्टी पानी लें। इसमें रोज चावल और दाल धोने के बाद बचने वाला पानी मिलाएं।
- रोजाना दिन में 2 बार इस पानी को एक लकड़ी की मदद से मिलाएं। इससे आपके फर्टिलाइज से गंदी बदबू नहीं आएगी।
- इन सभी चीजों को हमेशा ढककर रखें। 14 दिनों तक इसे फर्मेंट होने दें। इसके बाद आपका फर्टिलाइजर इस्तेमाल के लिए तैयार हो जाएगा।

फर्टिलाइजर का इस्तेमाल कैसे करें?

- इस्तेमाल करने से पहले फर्टिलाइजर को छान लें और उसके पानी को एक अलग बर्तन में जमा करें।
- अब इस फर्टिलाइजर में बराबर मात्रा में पानी मिला लें। इसका आधा कप अपने गमले में डालें।
- इसे हफ्ते में 2-3 बार ही यूज करें। इससे कुछ ही दिनों में आपके गुलाब के पौधे में ढेरों फूल आने लगेंगे।

इन बातों का रखें ख्याल

- इसके अलावा अपने गुलाब के पौधे की प्रूनिंग भी करें। पत्तों को काटते रहें। इससे फूलों की पैदावार बढ़ेगी।
- गुलाब के पौधे को अच्छी धूप की जरूरत होती है। सर्दियों में इसे धूप वाली जगह पर रखें।
- ध्यान रहे इसे जरूरत से ज्यादा पानी ना दें। मिट्टी सूखी हो, तभी पानी डालें।

किताबों से दूर नहीं भागेंगे आपके बच्चे, इन तरीके से बनाएं उन्हें बुक लवर

मोबाइल और इंटरनेट के इस जमाने में बच्चे किताबों से पढ़ाई कम ही करते हैं। ऐसे में हर पैरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे किताब से पढ़ें, क्योंकि फोन से स्टडी कम और ध्यान इधर-उधर ज्यादा भटकता है।

आज के इस इंटरनेट दौर में बच्चे पढ़ाई के नाम पर लैपटॉप और मोबाइल का इस्तेमाल ज्यादा करने लगे हैं। इससे दिक्कत ये हो रही है कि स्टडी के अलावा भी बच्चे का दिमाग इधर-उधर भटक जाता है। मोबाइल पर कई ऐसे ऐड आते हैं, जो बच्चों को अट्रैक्ट करता है और वह उस लिंक पर क्लिक करके दूसरे वेबसाइट या वीडियो को देखने लगते हैं। ऐसी स्थिति में माता-पिता की परेशानी पढ़ने लगती है। हर पैरेंट्स को लगता है कि उनका बच्चा फोन से नहीं पढ़ पाता है और पढ़ाई के लिए किताब का होना बेहद जरुरी है। पर, बच्चों की किताबों से पढ़ाई की आदत कैसे लगाई जाए, ये आज हर पैरेंट्स के लिए किसी चैलेंज से कम नहीं है। अगर आपका बच्चा भी सिर्फ मोबाइल में लगा होता है और किताबों में कम इंट्रेस्ट दिखाता है, तो अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे अपने बच्चो को आप बुक लवर बना सकती हैं। तो चलिए इस बारे में आगे विस्तार से जानते हैं।

बच्चों के साथ आप भी पढ़ें बुक

एक रिपोर्ट के अनुसार, बच्चे वही करते हैं, जो आसपास के माहौल से सिखते हैं। ऐसे में अगर आप खुद मोबाइल का कम से कम इस्तेमाल करेंगे। इसकी जगह उनके सामने बुक पढ़कर उन्हें सुनाएं। ऐसा करने से धीरे-धीरे उन्हें भी किताबों में इंट्रेस्ट आएगा और वो बुक पढ़ना शुरू कर देंगे।

सेट करें रीडिंग टाइम

बच्चों की आदतों में बदलाव लाने में रुटीन का अहम रोल होता है। ऐसे में, अगर आप उनकी रीडिंग टाइम को सेट कर देते हैं, तो वह खेल-कूद के बाद एक समय पर किताब पढ़ने के लिए भी बैठ सकता है। पर, इसके लिए जरूरी है कि आप अपने बच्चे के पास बैठे और उन्हें पढ़ाई करते हुए सुनें भी।

फन करते हुए पढ़ाएं

अगर आप बच्चे पर पढ़ने के लिए ज्यादा प्रेशर डालेंगे, तो वो दबाव में आकर किताबों से दूर हो सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप उसे फन करते हुए किताबों को पढ़ाएं। इससे उनके अंदर किताब पढ़ने में दिलचस्पी आएगी।

बच्चों के अनुसार करें किताबों का चुनाव

बच्चों में किताबों के प्रति इंट्रेस्ट जगाने के लिए जरूरी है कि आप उसके अनुसार ही बुक लाएं। यानी बहुत ज्यादा टेक्स्ट किताबें बच्चे नहीं पढ़ पाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि उनके बुक्स में अट्रैक्टिव ग्राफिक्स जरुर शामिल हों। ग्राफिक्स के बहाने ही कम से कम बच्चे बुक्स खोलकर जरुर पढ़ेंगे।

कहीं आपकी बेटी भी तो नहीं रहती खोई-खोई सी? हो सकते हैं ये कारण

अक्सर घरों में पेरेंट्स इतने व्यस्त होते हैं कि उनका ध्यान बेटियों पर थोड़ा कम जाता है। इस चक्कर में कई बार बेटी की परेशानियां भी नजर नहीं आती है। करियर या किसी और कारण से बेटियों के जीवन में दिक्कतें चल रही होती हैं, जिसका अंदाजा लगा पाना मुश्किल होता है।

हर बच्चा अलग होता है और उसकी समस्याएं भी अलग हो सकती हैं। इसलिए अपनी बेटी की समस्याओं को समझने के लिए धैर्य और समझदारी से काम लें। अगर आपको लगता है कि आपकी बेटी को किसी पेशेवर की मदद की जरूरत है, तो बिना किसी देरी के एक मनोचिकित्सक से संपर्क कर सकते हैं, कयोंकि घर में उसका खोया-खोया सा रहना मां के लिए बहुत चिंता का विषय होता है। कई बार छोटी-छोटी बातें भी बेटी के मन पर गहरा असर डाल सकती हैं।

बेटी के खोए-खोए रहने के हो सकते हैं ये कारण

बेटिपरीक्षाओं का तनाव, अच्छे नंबर लाने का दबाव, दोस्तों के साथ तुलना आदि। दोस्तों के दबाव में आना, सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल, बॉडी इमेज इश्यूज आदि कई सारी समस्याएं जीवन में चल रही होती हैं। शारीरिक और मानसिक बदलावों से जुड़ी उलझनें भी कई बार लोगों को परेशान करती हैं। किसी से प्यार हो जाना और उससे जुड़ी समस्याएं भी जीवन में चल रही होती हैं। डिप्रेशन, एंग्जाइटी, या कोई अन्य मानसिक व स्वास्थ्य समस्याएं आदि के कारण भी आपकी बीटिया परेशान रह सकती हैं।

बेटी की काउंसलिंग कैसे करें?

खुला माहौल बनाएं- अपनी बेटी को ऐसा महसूस कराएं कि वह आपसे कुछ भी बिना डरे शेयर कर सकती है।

बातों को ध्यान से सुनें- बिना किसी रुकावट के अपनी बेटी की बात सुनें। उसे महसूस कराएं कि आप उसकी भावनाओं को समझती हैं। अपनी बेटी को समझने के लिए धैर्य रखें। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।

सवाल पूछें- धीरे-धीरे सवाल पूछकर अपनी बेटी की समस्याओं को समझने की कोशिश करें।

उदाहरण देकर समझाएं- अपनी जिंदगी के अनुभवों को साझा करके अपनी बेटी को समझाएं कि हर समस्या का समाधान होता है।

सकारात्मक बातें करें- अपनी बेटी की तारीफ करें और उसकी उपलब्धियों को मनाएं।

साथ समय बिताएं- अपनी बेटी के साथ समय बिताएं, उसकी पसंद की गतिविधियां करें।

पेशेवर की मदद लें- अगर समस्या गंभीर है तो किसी मनोचिकित्सक की मदद लें। सुनिश्चित करें कि आपकी बेटी स्वस्थ आहार ले रही है और पर्याप्त नींद ले रही है।

एंब्रायडिड शॉल को स्टाइल करते समय इन छोटे-छोटे टिप्स को करें फॉलो

ठंड का मौसम आते ही हम अपने वार्डरोब को अपग्रेड कर लेते हैं। जैकेट्स और लॉन्ग कोट के अलावा शॉल हमारे लुक को एलीगेंट टच देते हैं। शॉल को किसी भी तरह के आउटफिट के साथ आसानी से पेयर किया जा सकता है, फिर चाहे वह एथनिक वियर हो या वेस्टर्न वियर। अगर आप शॉल में एक रॉयल लुक चाहती हैं तो एंब्रायडिड शॉल को स्टाइल किया जा सकता है। यह आपके लुक में चार-चांद लगा देता है। हालांकि, कई बार एंब्रायडिड शॉल को स्टाइल करना भी टफ टास्क लगता है। हो सकता है कि आपको यह समझ में ना आ रहा हो कि आप इसे किस आउटफिट के साथ पेयर करें या फिर शॉल को किस तरह ड्रेप किया जाए कि आपका लुक एकदम खास लगे। एंब्रायडिड शॉल को स्टाइल करने के लिए ढेरों तरीके हैं, बस आपको इसे स्टाइल करते समय कुछ छोटे-छोटे टिप्स पर फोकस करना चाहिए, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

प्लेन आउटफिट के साथ करें पेयर

अगर आप एंब्रायडिड शॉल को ही अपने लुक में हाइलाइट करना चाहती हैं तो ऐसे में आप उसे प्लेन आउटफिट के साथ पेयर करें। आप इसे प्लेन कुर्ता, मोनोटोन साड़ी या सिंपल ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। जब आप इस लुक को कैरी कर रही हैं तो ऐसे रंग का बेस आउटफिट चुनें जो आपके शॉल पर की गई कढ़ाई से मेल खाता हो। मसलन, गोल्ड एंब्रायडरी के ब्लैक शॉल को व्हाइट या बेज कलर की ड्रेस के साथ पेयर किया जा सकता है।

मोनोक्रोम लुक करें कैरी

एंब्रायडिड शॉल को स्टाइल करते हुए आप मोनोक्रोम लुक कैरी कर सकती है। सिंगल कलर पैलेट लुक देखने में बेहद ही एलीगेंट लगता है। इसके लिए आप अपने शॉल को उसी कलर फैमिली के आउटफिट के साथ पहनें। उदाहरण के लिए, अगर आपके शॉल में पिंक एंब्रायडरी है, तो इसे ब्लश-पिंक कुर्ता और प्लाजो के साथ पेयर करके देखें।

ड्रेपिंग स्टाइल के साथ हों एक्सपेरिमेंटल

जब आप एंब्रायडिड शॉल को स्टाइल कर रही हैं और एक डिफरेंट लुक चाहती हैं तो ऐसे में आप ड्रेपिंग स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंटल हों। मसलन आप इसे कंधे पर कैजुअली पहन सकती हैं या फिर इसे दोनों कंधों पर लपेटें। इसके अलावा, एंब्रायडिड शॉल को बेल्ट के साथ भी स्टाइल किया जा सकता है। मसलन, आप इसे अपने कंधों पर लपेटें और कमर पर एक पतली बेल्ट से सुरक्षित करें। इसी तरह, वन-साइड रैप लुक भी काफी ट्रेंडी दिखता है।

स्मार्टली चुनें एक्सेसरीज

एंब्रायडिड शॉल में एक परफेक्ट टच पाने के लिए आपको एक्सेसरीज को भी स्मार्टली चुनना चाहिए। मसलन, आप ज्वेलरी के साथ मिनिमल रहें। सिंपल स्टड या स्लीक ब्रेसलेट शॉल में आपके लुक को कॉम्पलीमेंट करेंगे। इसके अलावा, आपको न्यूट्रल टोन में क्लच या हैंडबैग को कैरी करना चाहिए, ताकि वाइब्रेंट एम्ब्रॉयडरी लुक को बैलेंस किया जा सके।

क्रिसमस पार्टी में नजर आएंगी सबसे अलग जब स्टाइल करेंगी ये लॉन्ग ड्रेसेस

क्रिसमस के मौके कई सारी जगहों पर पार्टी का आयोजन होता है और इस खास मौके पर महिलाएं स्टाइलिश आउटफिट का चुनाव करती हैं। वहीं अगर आप इस मौके पर सबसे अलग नजर आना चाहती हैं तो आप ये लॉन्ग ड्रेस में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की ड्रेस जहां न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है तो हैं इस ड्रेस में आप खूबसूरत भी नजर आएंगी।

जॉर्जेट मैक्सी ड्रेस

अगर आप लाइट कलर में कुछ पहनना चाहती हैं तो आप इस तरह की ड्रेस का चुनाव का कर सकती हैं। यह ड्रेस जॉर्जेट फैब्रिक में है और यह वी नेक डिजाइन और लॉन्ग स्लीव्स में आती है। यह ड्रेस न्यू डिजाइन में है और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है। इस ड्रेस आप ऑनलाइन और ऑफलाइन 1,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस ड्रेस के साथ आप ब्यूटीफुल डिजाइन वाले फ्लैट्स या हील्स पहन सकती हैं साथ ही ज्वेलरी में आप इयरिंग्स वियर कर सकती हैं। क्रिसमस के मौके पर स्टाइलिश लुक पाने आप इस तरह के स्लिट कट स्टाइल वाले जॉर्जेट मैक्सी ड्रेस का भी चुनाव कर सकती हैं।

प्रिंट मैक्सी ड्रेस

रॉयल लुक के लिए आप इस तरह के प्रिंट वाली मैक्सी ड्रेस का चुनाव कर सकती हैं। यह ड्रेस न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है और इस ड्रेस में आप बेहद ही खूबसूरत नजर आएंगी। इस ड्रेस को आप ऑनलाइन या ऑफलाइन 2,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस ड्रेस के साथ आप फ्लैट्स और ज्वेलरी में सिंपल नेकलेस वियर कर सकती हैं। अगर आप क्रिसमस पार्टी में न्यू लुक चाहती हैं तो आप इस तरह की ब्लू कलर की ड्रेस का चुनाव कर सकती हैं। यह ड्रेस जहां न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है तो वहीं इस ड्रेस में आपका लुक रॉयल नजर आएगा।

फ्लोरल मैक्सी ड्रेस

अगर आप भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं तो आप इस तरह की फ्लोरल मैक्सी ड्रेस का चुनाव कर सकती हैं। यह ड्रेस फ्लोरल पैटर्न में है और इस ड्रेस में आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा। इस ड्रेस को आप कई कलर और डिजाइन ऑप्शन के साथ खरीद सकती हैं जो कि आपको 2,000 से कम कीमत में मिल जाएंगी इस ड्रेस के साथ आप लॉन्ग इयरिंग्स वियर कर सकती हैं।

जल्द ही टीवी पर वापसी करेंगी दीपिका कक्कड़

दीपिका कक्कड़ टीवी सीरियल 'ससुराल सिमर का' के जरिए दर्शकों के बीच मशहूर हुई थी। इसके अलावा भी उन्होंने कई हिट टीवी सीरियल्स में काम किया। टीवी एक्टर शोएब इब्राहिम से शादी के बाद वह अपनी फैमिली लाइफ में व्यस्त हो गई। उनका एक छोटा बेटा भी है, जिसकी परवरिश में वह अपना पूरा समय देती हैं। लेकिन टीवी सीरियल में काम ना करने के बावजूद भी वह लाइमलाइट में बनी रहती हैं।

दीपिका का व्लॉग चैनल है पॉपुलर

दीपिका टीवी सीरियल में एक्टिव ना होने के बावजूद भी, दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाए हुए हैं। दरअसल, वह अपना एक व्लॉग चैनल यूट्यूब पर चलाती हैं। इस चैनल का नाम 'दीपिका की दुनिया' है। इसमें वह अपने हर दिन का हाल दर्शकों के साथ साझा करती हैं। उनके इस चैनल पर लगभग 3 मिलियन फॉलोअर हैं।

हाल ही में अपने व्लॉगिंग चैनल पर ही दीपिका कक्कड़ ने बताया कि वह जल्द ही एक दर्शकों को एक खास प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। इसी व्लॉग में वह शूटिंग वाली जगह पर भी नजर आईं। शूटिंग पर उनका बेटा भी साथ में मौजूद था। दीपिका ने कहा कि वह जल्द ही बताएंगी कि किस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रही हैं।

ट्रोलिंग का भी होती हैं शिकार

दीपिका के यूट्यूब चैनल पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है लेकिन उन्हें अकसर ट्रोलिंग का शिकार भी होना पड़ता है। अकसर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स दीपिका कक्कड़ और उनके पति शोएब इब्राहिम को उनके रहन-सहन और पहनावे को लेकर ट्रोल कर देते हैं। कई यूजर्स तो दीपिका को इसलिए भी ट्रोल करते हैं कि उन्होंने परिवार की देखभाल के लिए करियर से ब्रेक ले लिया है। इस ट्रोलिंग पर दीपिका भी चुप नहीं रहती हैं, वह बुरी बातें बोलने वाले लोगों को अपने व्लॉगिंग चैनल के जरिए ही मुंहतोड़ जवाब देती हैं।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ छुट्टियां मना रहीं तृप्ति डिमरी?

साल 2024 की सनसनी रही अभिनेत्री तृप्ति डिमरी को अक्सर अपने रुमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट के साथ स्पॉट किया जाता है। दोनों कभी लंच डेट पर नजर आते है और कभी बाइक राइड का आनंद उठाते हुए। हाल ही में दोनों ने यूके कॉट्सवोल्ड्स से छुट्टियों की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। हालांकि, दोनों ने साथ में तस्वीरें पोस्ट नहीं की, लेकिन तस्वीरें में एक जैसी लोकेशन ने प्रशंसकों को यह अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया कि दोनों साथ में छुट्टियां मना रहे हैं।

छुट्टियों का आनंद लेते नजर आईं तृप्ति

तृप्ति डिमरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कई तस्वीरें साझा की। एक तस्वीर में वह बकरियों को खिलाती हुई नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह हॉट चॉकलेट का आनंद ले रही हैं। एक अन्य तस्वीर में वह रेस्टोरेंट में पोज दे रही हैं।

वहीं, सैम मर्चेंट ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर उसी तरह की बकरी को खिलाते नजर आ रहे हैं। सैम ने भी उसी टेबल की तस्वीर पोस्ट की, जिस पर तृप्ति ने बैठकर तस्वीर खिंचवाई थी। सैम ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी बकरियों को खाना खिलाते हुए अपनी वही तस्वीर शेयर की, जिससे यह अनुमान और भी बढ़ गया कि दोनों साथ में छुट्टियां मना रहे हैं। वहीं, एक अन्य तस्वीर में मर्चेंट को सर्दियों के कपड़े पहने हुए और हाथ में ड्रिंक लिए हुए सेल्फी लेते हुए देखा जा सकता है। दोनों के सोशल मीडिया पर एक जैसी तस्वीरें दिखने से उनके डेटिंग की अफवाहों को जोर मिलता है। हालांकि, दोनों ने अपने डेटिंग की अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

तृप्ति डिमरी का वर्क फ्रंट

अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो साल 2024 उनके लिए एक सफल साल रहा। उनकी आगामी फिल्म विशाल भारद्वाज की 'अर्जुन उस्तरा' है। फिल्म में शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में होंगे, जिसकी शूटिंग 6 जनवरी, 2025 से शुरू होने वाली है। इसके अलावा वह धर्मा प्रोडक्शंस की 'धड़क 2' में नजर आएंगी। अभिनेत्री रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल पार्क' में दिखाई देंगी।

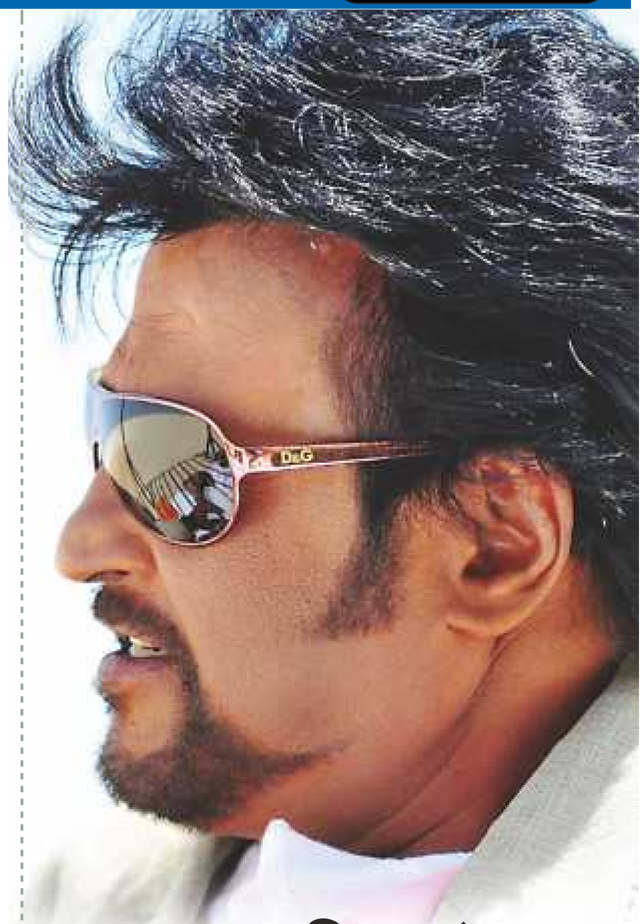

इस दिन से शुरू होगी रजनीकांत की जेलर 2 की शूटिंग

सुपरस्टार रजनीकांत ने 2023 में ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर के लिए फिल्म निर्माता नेल्सन दिलीपकुमार के साथ मिलकर काम किया था। इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता ने मुख्य भूमिका निभाई थी, जो तमिल सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई। सुपरस्टार रजनीकांत वर्तमान में लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म कुली पर काम कर रहे हैं, जिसे 2025 में रिलीज किया जाना है। वहीं, अब फिल्म की शूटिंग को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है।

फिल्म की शूटिंग

फिल्म को लेकर ताजा जानकारी सामने आई है कि रजनीकांत अगले साल मार्च में जेलर 2 की शूटिंग शुरू करेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रजनीकांत- नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म अगले साल की शुरुआत में फ्लोर पर आएगी। 2023 की ब्लॉकबस्टर जेलर का सीक्वल सुपरस्टार और निर्देशक के बीच दूसरा सहयोग है।

फिल्म में रजनीकांत का किरदार

सीक्वल को लेकर चर्चा काफी समय से चल रही है। जल्द ही आधिकारिक अपडेट मिलने की उम्मीद है। जेलर नाम की पहली फिल्म में रजनीकांत को एक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया था, जो शांत जीवन जी रहा था। हालांकि, जब उसके पुलिस अधिकारी बेटे का अपहरण कर लिया जाता है और उसे मृत मान लिया जाता है तो उसकी दुनिया उलट जाती है, जिससे वह उन लोगों के खिलाफ बदला लेने की होड़ में लग जाता है, जिन पर उसे संदेह है।

फिल्म की कहानी और कलाकार

फिल्म बदले की कहानी पर आधारित होने के बावजूद धीरे-धीरे डकैती की कहानी में बदल जाती है, जिसमें सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी के शुरुआती दिनों की भी झलक मिलती है। रजनीकांत के अलावा जेलर में विनायकन, राम्या कृष्णन, तमन्ना भाटिया, वसंत रवि, मिर्ना मेनन, योगी बाबू और अन्य कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में थे। फिल्म में मोहनलाल, शिव राजकुमार और जैकी श्रॉफ जैसे सितारों की कैमियो भूमिकाएं भी शामिल थीं।

रजनीकांत का वर्कफ्रंट

वहीं, रजनीकांत रजनीकांत को आखिरी बार टीजे ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित वेट्टैयन में देखा गया था। फिलहाल रजनीकांत निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ कुली फिल्म कर रहे हैं। एक्शन थ्रिलर में प्रभावशाली कलाकारों की टोली है, जिसमें नागार्जुन अक्किनेनी, उपेंद्र, सौबिन शाहिर, श्रुति हासन और अन्य शामिल हैं।

पहले एड फिल्म नहीं मिलती थी, अब ऋचा चड्ढा खुद मना करती हैं ब्रॉन्ड को?

हाल ही में ऋचा चड्ढा और अली फजल के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स ओटीटी पर रिलीज हुई। इस फिल्म को लेकर ऋचा और अली कई इंटरव्यू दे चुके हैं। हाल ही में मैशबेल इंडिया के एक यूट्यूब शो पर भी दोनों नजर आए। इस दौरान करियर, पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातचीत भी ऋचा ने की। इसी इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि करियर के शुरुआती दौर में उनको एड फिल्म्स नहीं मिलते थे। लेकिन अब जब एड फिल्म, ब्रॉन्ड्स का प्रमोशन मिलता है तो वह कुछ खास एड, ब्रॉन्ड्स को करने से मना कर देती हैं।

क्यों नहीं करतीं कुछ ब्रॉन्ड्स का प्रमोशन

ऋचा इंटरव्यू में कहती हैं, 'करियर के शुरुआत में तो एड फिल्म, ब्रॉन्ड प्रमोशन कम ही मिलता था, लेकिन अब जब यह सब करने को मिलता है तो मैं ही मना कर देती हूं। दरअसल, मैं फेयरनेस क्रीम जैसे प्रोडक्ट्स को बिल्कुल भी प्रमोट नहीं करती हूं, इसलिए ऐसे एड, ब्रॉन्ड्स को मना कर देती हूं।'

मां बनने की जिम्मेदारी निभा रही हैं

कुछ समय पहले ही ऋचा और अली फजल माता-पिता बने हैं। बेटी की परवरिश करना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, इस बारे में भी दोनों बताते हैं। ऋचा ने भी कुछ दिन पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि वह चाहती हैं कि जब बेटी बड़ी हो तो उनके साथ एक दोस्त की तरह रिश्ता रखे।

ऋचा की आने वाली फिल्म

प्रोड्यूसर के तौर पर ऋचा एक्टिव हो चुकी हैं, लेकिन अगले साल वह एक फिल्म में एक्टिंग करती हुई भी नजर आएंगी। फिल्म 'अभी तो पार्टी शुरू हुई है' में ऋचा अलग तरह का किरदार करने वाली हैं। ऋचा चड्ढा ने अपने करियर में अलग तरह के किरदार फिल्मों में किए हैं, फुकरे फिल्म में उनका निभाया भोली पंजाबन का किरदार लोगों को खूब पसंद आया था। आज भी दर्शक उन्हें इसी नाम और किरदार से ज्यादा पहचानते हैं।

गर्ल्स विल बी गर्ल्स के मुरीद हुए राजकुमार राव, जमकर की तारीफ

ऋचा चड्ढा और अली फजल द्वारा निर्मित गर्ल्स विल बी गर्ल्स को फैंस के साथ सितारों की भी तारीफें मिल रही हैं। ऋतिक रोशन, प्रियंका चोपड़ा और दीया मिर्जा के बाद अब राजकुमार राव भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। राजकुमार राव ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर गर्ल्स विल बी गर्ल्स का पोस्टर शेयर किया और तारीफ की। उन्होंने लिखा- यह एक बहुत ही खूबसूरत, आने वाली उम्र की फिल्म है, जिसे हमारी अपनी ऋचा चड्ढा और अली फजल ने प्रोड्यूस किया है। आप दोनों को बहुत शक्ति मिले, यह फिल्म लंबे समय तक आपके साथ रहेगी, गर्ल्स विल बी गर्ल्स के लिए शुचि तलाती को बधाई। उन्होंने आगे कहा- कनी कुसरुति, प्रीति पाणिग्रही और केसव बिनॉय किरण को आप सभी ने बेहतरीन अभिनय किया है।

क्या शादी के बाद अभिनय की दुनिया छोड़ देंगी कीर्ति सुरेश? शुरू हुई ब्रेक लेने की अफवाह

कीर्ति सुरेश इन दिनों खबरों में हैं। दिलचस्प बात है कि इसकी वजह एक तरफ उनकी निजी जिंदगी भी है तो प्रोफेशनल फ्रंट पर भी वे कमाल कर रही हैं। दरअसल, हाल ही में अभिनेत्री ने एंटनी थाटिल से शादी रचाकर नई जिंदगी शुरू की है। इसके साथ-साथ फिल्म बेबी जॉन से वे बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। करियर के उम्दा मोड़ पर अचानक खबरें आ रही हैं कि कीर्ति सुरेश अभिनय की दुनिया को अलविदा कहने वाली हैं।

क्या इंडस्ट्री से जाएंगी दूर?

मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसी फवाहें चल रही हैं कि कीर्ति सुरेश फिल्मों से ब्रेक लेने की तैयारी कर रही हैं। अब जबकि वे अपने करियर के शानदार मुकाम पर हैं, साउथ के बाद हिंदी सिनेमा में कदम रख रही हैं तो अचानक उनके ब्रेक लेने की खबरें शुरू हो गई हैं। सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या आने वाले वक्त में कीर्ति इंडस्ट्री से दूर हो जाएंगी?

इस वजह से लगाई जा रहीं अटकलें

अभिनेत्री के ब्रेक लेने की अफवाहें इसलिए शुरू हुई हैं क्योंकि उनके पास फिलहाल सिर्फ दो ही फिल्में हैं। एक- रिवॉल्वर रीटा और दूसरी कन्निवेदी। ऐसे में फैंस को लग रहा है कि उन्होंने कोई और फिल्म साइन नहीं की है। ऐसे में अटकलें लग रही हैं कि शादी के बाद वे करियर पर विराम तो नहीं लगा रहीं?

अपने करियर को लेकर चल रही अफवाहों पर कीर्ति सुरेश ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बात करें बेबी जॉन की तो इसमें कीर्ति के साथ वरुण धवन नजर आएंगे। फिल्म को एटली प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म क्रिसमस के अवसर पर 25 दिसंबर 2024 को रिलीज होगी।

अहसास चन्ना नेने बताया क्यों निभाए मेल किरदार

अहसास चन्ना ने हाल ही में मनोरंजन उद्योग में बाल कलाकार के रूप में लड़के की भूमिका निभाने पर अपने विचार साझा किए। अभिनेत्री ने बताया कि यह उन्होंने नहीं चुना था बल्कि परिस्थितियों की वजह से ऐसा हो गया था। अभिनेत्री ने कहा कि लड़के की भूमिका निभाना एक जानबूझकर किया गया विकल्प नहीं था, बल्कि परिस्थितियों का परिणाम था। अभिनेत्री ने बताया कि जब वह चार साल की थी, तब उनकी मां ने उन्हें 'वास्तु शास्त्र' में एक लड़के की भूमिका निभाने के लिए राजी किया। फिल्म हिट होने के बाद उन्हें इंडस्ट्री में पहचान मिली और वह 'कभी अलविदा ना कहना' में नजर आईं। अभिनेत्री ने बताया कि लड़के की भूमिका ने उन्हें कभी प्रभावित नहीं किया, वह जानती थीं कि अभिनय उनके जीवन का एक हिस्सा है। अभिनेत्री स्कूल और काम के बीच में संतुलन बैठाती थीं। हालांकि, कभी 'अलविदा ना कहना' के बाद उनकी मां ने उनसे कहा कि वह अब लड़के की भूमिका निभाना बंद कर दें।

महिला महापंचायत : जन्म, परण और मरण की कुरीतियां दूर करने का संकल्प

जयपुर। आदिवासी मीणा महिला विकास संघ के बैनर तले हुई 'महिला पंचायत' में महिलाओं ने जन्म, परण और मरण संस्कारों से जुड़े कई कुरीतियों पर प्रतिबंध लगाने, अंधविश्वासों और पाखंड पर रोक लगाकर शिक्षा को आगे बढ़ाने के संकल्प लिए गए। जवाहर सर्किल के पास इन्द्रलोक गार्डन में राज्य के विभिन्न हिस्सों से अपनी परम्परागत वेशभूषा में आई महिला शक्ति ने समाज की विसंगतियों को दूर करने के प्रस्ताव पारित किए गए। महिला संघ प्रदेशाध्यक्ष मंजू जेफ ने पंचायत के सर्वसम्मत निर्णयों के बारे में कि दशोटन, छुछक, दहेजप्रथा, सामाजिक आयोजनों में शराब उपलब्ध नहीं कराने और अनावश्यक खर्च पर रोक लगाने सहित आयोजन में व्यंजनों की संख्या 11 से अधिक नहीं रखने और बिठाकर भोजन कराने की परम्परा को पुनः शुरू करने की बात कही गई। जनाना हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ.कुसुमलता मीणा ने पंचायत की अध्यक्षता की। महिला संघ की सभी पदाधिकारियों ने पंचायत में लिए गए सभी निर्णयों को अपने घर-परिवार से लागू करने की शपथ ली। वैवाहिक विवादों की आदिवासी परम्परा से सुनवाई सक्षम एवं अनुभवी महिला काउंसलर की उपस्थिति में करने में ही सलाह दी गई और महिला काउंसलर की अनुपस्थिति में लिए जाने वाले फैसले को नहीं मानने का निर्णय लिया गया। पंचायत में प्रकृति संरक्षण में वृक्षारोपण अभियान चलाने तथा आदिवासी समाज की ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण संकल्प पारित किया।

ये महत्वपूर्ण फैसले हुए

मृत्यु के बाद शीशी पूजन पर केवल स्वर्गवासी पुरूष के ससुराल और स्वर्गवासी महिला के पीहर पक्ष से केवल एक ही जोड़े के कपड़े लेने का निर्णय।

मृत्युभोज पर पूरी तरह रोक लगाने के साथ ही छमाही, बरसी पर बड़े भोज को मृत्यभोज ही मानते हुए उस पर पूरी तरह रोक। स्त्रीधन के रूप में दिए जाने वाले गहने और वर को अंगूठी को छोड़कर किसी भी प्रकार के आभूषण, नगदी, कार, प्लाट को दहेज मानते शादी का बहिष्कार करने का निर्णय।

शिशुओं में सबसे ज्यादा समस्या हृदय रोग की

जयपुर। गर्भावस्था के दौरान होने वाली एडवांस सोनोग्राफी टेस्ट से अब जन्म से पूर्व शिशुओं में होने वाली समस्याओं के बारे पता करना संभव हो सका है। टेस्टिंग बढ़ने से शिशुओं की समस्याओं के बारे में आए नए आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा समस्या जन्मजात हृदय रोग से जुड़ी हैं। देश में जन्म लेने वाले प्रत्येक एक हजार में से आठ शिशुओं को जन्मजात हृदय रोग सामने आ रहा है। जयपुर फीटल मेडिसिन एंड रिसर्च सेंटर, नार्ची राजस्थान चैप्टर सोनोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की ओर से आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस फीटल मेडिसिन अपडेट 2024 के एक्सपर्ट्स ने कुछ ऐसी ही विचार व्यक्त किए। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ.सीके गर्ग ने बताया कि कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन डॉ. एसएस अग्रवाल और आरएमसी के रजिस्ट्रार डॉ. गिरधर गोयल ने किया। इससे पहले वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें इमेजिंग की नई तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान डॉ. चिन्मयी राठा ने स्पाइन एंड स्केलेटल सिस्टम के स्कैन, डॉ. प्रिया देशपांडे ने फीटल हार्ट स्कैन की बेसिक गाइडलाइन की जानकारी साझा की। हैदराबाद से आई डॉ.चिन्मयी राठा ने बताया कि गर्भावस्था के पांचवे महीने से पहले ही अब एडवांस अल्ट्रासाउंड से शिशु के हृदय की गहन जांच की जा सकती है। उसे दिल की क्या बीमारी हो सकती है और उसका इलाज संभव है कि नहीं, कितना खर्च आ सकता है, इसकी काउंसिलिंग करके पेरेंट्स को आगामी निर्णय लेने में मदद मिलती है।

गैस टैंकर हादसे के आश्रितों के खाते में सहायता राशि हस्तांतरित, जितेन्द्र सोनी ने घायलों के परिजनों से की मुलाकात

जयपुर। भांकरोटा के पास हुए गैस टैंकर हादसे को लेकर जिला प्रशासन दुर्घटना के पीड़ितों, घायलों के सर्वोत्तम उपचार एवं मृतकों के आश्रित परिजनों सभी जरूरतों के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है और नौ मृतकों की शिनाख्त के बाद उनके आश्रितों के बैंक खाते में मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5-5 लाख रुपये एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा देय 6-6 लाख रुपये की मुआवजा राशि हस्तांतरित कर दी गई है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मामले में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर शिनाख्त मृतकों के परिजनों के बैंक खाते में सहायता राशि के हस्तांतरण की संपूर्ण प्रक्रिया महज 24 घंटे में सुनिश्चित कर ली गई । जिला प्रशासन द्वारा 14 मृतकों में से 9 मृतकों की शिनाख्त किये जाने के पश्चात मृतक आश्रितों के बैंक खातों में यह राशि हस्तांतरित कर दी गई।

20 करोड़ 27 लाख से ज्यादा पर्यटक, पिछली बार से तीन करोड़ 98 लाख से अधिक

जयपुर। प्रदेश के किले-महलों की बनावट, स्थापत्य कला सहित अन्य खूबियों ने देश ही नहीं, अपितु विदेशों में भी अपनी एक खास पहचान बनाई है। इसी का नतीजा है कि इस साल जनवरी से नवम्बर माह तक प्रदेश में 20 करोड़ 27 लाख 22 हजार 529 देशी-विदेशी पर्यटकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इस बार 3 करोड़ 98 लाख 44 हजार 864 पर्यटक अधिक आए हैं। पर्यटन विशेषज्ञों का कहना है कि 25 दिसम्बर को क्रिसमस और 31 दिसम्बर को नए साल के जश्न के लिए उदयपुर, जैसलमेर, जयपुर, अजमेर, माउंट आबू सहित अन्य जिलों के होटलों में ऑक्यूपेंसी लगभग फुल है। ज्ञातव्य है कि साल 2023 में जनवरी से नवम्बर माह के बीच 16 करोड़ 28 लाख 77 हजार 665 देशी और विदेशी पर्यटक आए थे।

अब तक आए 20 करोड़ 8 लाख से अधिक घरेलू पर्यटक

पर्यटन विभाग के अधिकारियों से मिले आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में घरेलू पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। 11 महीनों में अब तक 20 करोड़ 08 लाख 14 हजार 340 घरेलू पर्यटक आ चुके हैं। इनका महिनेवार विशलेषण किया जाए तो जनवरी में 1,31,31,125, फरवरी में 1,31,99,979, मार्च में 1,84,72,557, अप्रेल में 2,14,99,846, मई में 1,05,96,587, जून में 1,29,79,259, जुलाई में 2,38,90,537, अगस्त में 2,03,19,792, सितंबर में 23,56,021, अक्टूबर 1,95,32,124 और नवंबर 2,48,36,513 घरेलू पर्यटकों ने प्रदेश की ओर रुख किया।

19 लाख 08 हजार 189 पावणों से घूमें प्रदेश के पर्यटन स्थल

पर्यटन विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार विभिन्न देशों से प्रदेश में आने वाले पावणों की संख्या में भी वृद्धि देखने को मिली है। इस बार 11 महीनों में अब तक जनवरी में 2,40,729, फरवरी में 2,83,309, मार्च 2,69,688, अप्रैल में 1,23,073, मई में 63,273, जून में 50,527, जुलाई में 82,563, अगस्त में 1,34,056, सितम्बर में 1,18,972, अक्टूबर में 2,39,977 और नवम्बर में 3,02,022 विदेशी पर्यटकों ने प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थल सहित अन्य में जगहों का भ्रमण किया।

पिछली बार की तुलना में इस बार पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। जो प्रदेश के पर्यटन के लिए अच्छा संकेत है। किले-महल देखने के साथ ही पर्यटक अब ग्रामीण पर्यटन की ओर भी रूख कर रहे हैं। यहां की कला-संस्कृति और रहन-सहन से रूबरू हो रहे हैं। हमारा यही उद्देश्य है कि जब पर्यटक प्रदेश आए तो यहां से अच्छे अनुभव साथ में लेकर जाए।

रवि जैन, शासन सचिव,

पर्यटन प्रदेश में आने वाले देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ी हैं। यहां किले-महलों के अलावा पर्यटकों के पास वाइल्ड लाइफ टूरिज्म भी बेहतर विकल्प बनकर उभरा है।

संजय कौशिक, पर्यटन विशेषज्ञ

दौसा - सांसद मुरारीलाल मीणा की बेटी निहारिका जोरवाल बनीं एनएसयूआई की प्रदेश उपाध्यक्ष

दौसा। जिले के लिए एक गर्व का क्षण सामने आया है। सांसद मुरारीलाल मीणा की बेटी निहारिका जोरवाल को एनएसयूआई (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) की प्रदेश कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। कांग्रेस के छात्र संगठन की इस नवगठित कार्यकारिणी में जिले के कई और युवा नेताओं को भी प्रमुख भूमिकाएं मिली हैं। निहारिका जोरवाल के साथ तलब खान को प्रदेश महासचिव और तुषार कटारा, अजय मीणा, दीपक सिंह चौहान, राहुल कुमार मीणा, और रिंकू चेची को प्रदेश सचिव के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा, अंकित सत्तावन, देवेंद्र सिंह गुर्जर, और मोइन खान को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। यह नियुक्ति दौसा जिले के लिए युवा नेतृत्व की ताकत और प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने वाला कदम है।

दुर्गा वाहिनी की बैठक संपन्न

हैदराबाद

(एजन्सी),

विश्व हिंदू परिषद की प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता रेड्डी ने कहा कि आज की पीढ़ी की युवतियों को शिक्षा और रोजगार के साथ-साथ अतीत की वीरांगनाओं के संघर्ष से प्रेरणा लेनी चाहिए। युवा महिलाओं को बहादुर होने के साथ-साथ संवेदनशील होने की सलाह दी जाती है। विश्व हिंदू परिषद की युवा इकाई दुर्गा वाहिनी ने रविवार को अष्टलक्ष्मी मंदिर के पास बैठक की। इससे पहले, 1500 दुर्गा वाहिनी युवतियों ने अष्टलक्ष्मी मंदिर क्षेत्र, चैतन्यपुरी, कोठापेट, विक्टोरिया मेमोरियल मेट्रो रेलवे स्टेशन और अन्य क्षेत्रों से शुरू होकर मुख्य सड़क पर एक रैली का आयोजन किया। भगवा झंडे और जयश्री राम के नारे के साथ रैली निकाली गई. लगभग 100 बच्चों को भारतमाता के साथ-साथ अतीत की वीर माताओं की पोशाक पहनाकर मनोरंजन किया गया। मुख्य सड़क के किनारे रैली एक विशेष आकर्षण बन गई और लोग सड़क के किनारे खड़े होकर देखते रहे। बाद में अष्टलक्ष्मी मंदिर परिसर में एक आमसभा का आयोजन किया गया. युवतियों ने विधानसभा परिसर में शक्ति प्रदर्शन कर प्रभावित किया. सबसे पहले देवी भारत, रानी दुर्गावती और अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणी सक्कू भाई सभा, दुर्गा वाहिनी के प्रदेश संयोजक डॉ. शिरिषा और मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध आध्यात्मिक द्रष्टा डॉ. शिल्पा ने की। इस अवसर पर बोलते हुए सुनीता रेड्डी ने चिंता व्यक्त की कि आधुनिकता के नाम पर अव्यवस्थित जीवन शैली अपनाने के कारण आज की युवा महिलाएं दुर्घटनाओं का शिकार हो रही हैं। देश, धर्म और समाज के प्रति जिम्मेदारी के साथ जीने की सलाह दी जाती है। शिक्षा के साथ-साथ संस्कारयुक्त व्यक्तित्व को आज के युवाओं की मूलभूत आवश्यकता के रूप में पहचाना जाना चाहिए। दुर्गा वाहिनी प्रदेश संयोजिका वाणी सक्कूबाई ने कहा कि मातृ वंदना कार्यक्रम के माध्यम से गुजरे जमाने की वीरांगनाओं की भावना को याद किया जाएगा। उन्होंने रोजमर्रा की जिंदगी में भी किसी भी विकट परिस्थिति में अपनी रक्षा करने का आत्मविश्वास सिखाया।

वे युवतियों को शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास के साथ तैयार करना चाहते हैं। आत्मरक्षा कौशल सीखने और अपनी सुरक्षा करने की सलाह दी जाती है। डॉ. सिरिशा ने कहा कि युवा महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी मामलों पर ध्यान देना चाहिए. उन्होंने बताया कि चाहे कितनी भी शिक्षा प्राप्त कर लें, पारिवारिक मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सचिव भोजन पल्ली नरसिम्हामूर्ति, लक्ष्मीनारायण, विहिप के प्रदेश पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र रेड्डी, राष्ट्रीय प्रतिनिधि शशिधर, मातृ शक्ति के प्रदेश संयोजक पद्मश्री, दुर्गा वाहिनी नेता सिंधुजा, माधवी, उमारानी, शिरिषा, निखिला, संकल्पा, भवानी, मीना, लता कार्यक्रम में श्रीज्योति, लक्ष्मी व अन्य उपस्थित थे।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 में मेडचल चेंपियन

हैदराबाद

(एजन्सी)

,सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के सातवें संस्करण व महिला वर्ग खेलों का समापन प्रायोजक वंडर वॉल पुट्टी, समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, समाज बंधुओं व टीमों के खिलाड़ियों की उपस्थिति में अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड में हुआ। फ्रेन्डस क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 के तहत पहला सेमीफाइनल मैच टाइटन्स व शमशाबाद के मध्य खेला गया, जिसमें शमशाबाद 119 रन से विजयी रही। प्रेम सीरवी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ दि मैच से नवाजा गया।

दूसरा सेमीफाइनल मैच संगा रेड्डी व मेडचल के बीच खेला गया जीसमे मेडचल 5 विकेट विजयी रहीं अर्जुन चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। फाइनल मुकाबला मेडचल व शमशाबाद के माध्य खेला गया, जिसमें मेडचल की टीम 8 विकेट से विजयी रही। अर्जुन को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। मेडचल चैंपियन बना। उनको सीरवी समाज प्रिमियर लीग 7 के समापन समारोह में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ महिला वर्ग खेलों में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर प्रतियोगिता के स्पॉनसर वंडर वाल पट्टी समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि समाज के गणमान्य बन्धु, समाज के CA , डाक्टर अध्यापक और अधिवक्ता मोजुद रहे। सभी मैचों का सीधा प्रसारण यू-ट्यूब पर और SSPL Application पर किया जा रहा है। सफल आयोजन में सीरवी समाज फ्रेन्डस् क्लब के सदस्य उपस्थित रहें। कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने किया। SSPL के सुरेश सैणचा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजे के काफिले की पुलिस गाड़ी पलटी, 7 पुलिसकर्मी घायल

जयपुर। पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे प्रदेश के राज्यमंत्री ओटाराम देवासी की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त कर लौट रही थीं। इस दौरान बाली में उनके काफिले में चल रही पुलिस की बोलेरो गाड़ी सामने आए एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में पलटी खा गई। जानकारी के अनुसार वे रोहट और पाली के पणिहारी चौराहे से मुंडारा होकर जोधपुर के लिए रवाना हुई थीं। इस दौरान बाली और कोट बालियान के बीच एसकॉर्ट कर रही पुलिस की गाड़ी सामने आए बाइक सवार को बचाने में तीन बार पलटी खाकर खंभे से टकरा कर रुकी। हादसा बाली थाने से आधा किमी दूरी पर हुआ।

हादसे में सात पुलिस कर्मी एसआई भागचंद, कांस्टेबल अभिषेक पुरी, नवीन, जितेन्द्र, रामप्रसाद, सूरज, रूपाराम घायल हो गए। राजे ने तुरंत गाड़ी से उतरकर उनको संभाला। एम्बुलेंस में बिठाकर इलाज के लिए रवाना किया। उनके साथ बाली विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत को भेजा। इनमें से तीन को ज्यादा चोटें आई हैं। इन्हें यहां से बाली अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में रैफर किया गया। गौरतलब है कि इससे पूर्व 11 दिसम्बर को जगतपुरा में अक्षयपात्र के पास सीएम भजनलाल शर्मा के काफिले की गाड़ी से भी एक टैक्सी टकरा गई थी। जिसमें एक एएसआई और टैक्सी ड्राइवर की मौत हो गई थी।

स्वच्छ भारत मिशन योजना का हाल: सुविधाघर दुर्दशा के शिकार

कागजों में सफाईकर्मी, शौचालय बदहाल

कापरेन। भारत सरकार द्वारा चलाई गई स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत करोड़ों रुपए खर्च कर बनाए गए सुविधाघर यहां दुर्दशा के शिकार हो रहे हैं। पालिका प्रशासन की सफाई और देखरेख में नाकामयाब साबित हो रहा हैं। नगर पालिका क्षेत्र में सरकार ने लाखों रुपए खर्च कर करीब एक दर्जन सुविधाघर बनाए थे जो करीब वर्षभर से दुर्दशा के शिकार हो रहे हैं। आलम यह है कि किसी शौचालय में दरवाजे जर्जर हो रहे हैं तो किसी में कुंडियां टूटी हुई हैं, कुछ में नलों की टूटियां टूटी हुई हैं तो किसी में सीटें जमींदोज हो गई है। किसी में दरारें पड़ रही हैं तो किसी में सफाई व्यवस्था लचर पड़ी हुई है। शौच करने के बाद हाथ धोने की व्यवस्था नहीं है। जबकि सरकार ने लोगों को विशेष रूप से महिलाओं को शौच करने जंगल जाने से बचने के लिए सरकारी शौचालय बनाए गए थे लेकिन अब यहां स्वच्छ भारत मिशन को ग्रहण लग गया हैं। पिछले पालिका बोर्ड में जहां स्थानीय नगर पालिका ने प्रथम रैंक हासिल कर संभाग में अपनी पहचान बनाई थी। जो अब जीरो नंबर पर आ गई हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने शौचालयों की स्थिति जानी। पालिका क्षेत्र में बने ये शौचालय बंद पड़े हुए हैं। सफाई व्यवस्था नही होने के कारण आमजन इसका उपयोग करने से भी कतराने लगे हैं। शिवनगर में स्थित शौचालय में करीब 1 साल से बंद पड़ा हैं। दुर्गंध के कारण इसका उपयोग नही कर पा रहे हैं। पानी की व्यवस्था नही हैं। दरवाजे टूटे हुए है । अन्दर टॉयलेट्स की सीट टूटी हुई हैं। सफाई हुए कई महीने हो चुके है। इसको लेकर वार्डवासियों ने पालिका प्रशासन को अवगत करवाया लेकिन इस कोई ध्यान नही है।

क्षेत्रवासियों की पीड़ा

स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए गए शौचालय की नियमित सफाई नही होती है जिससे इसका उपयोग नही कर पा रहे हैं। टॉयलेट्स की सीटे टूटी हुई हैं। दुर्गंध की वजह से अंदर प्रवेश करने में भी कतराते हैं।

- नरेंद्र पांचाल, कस्बे वासी

शहर में बनाए गए सार्वजनिक शौचालय नियमित देखभाल नहीं होने से मात्र शोपीस बनकर रह गए हैं। पालिका कर्मी भी अपनी ड्यूटी ढंग से नहीं निभा रहे हैं। सुविधा के लिए बनाए गए गंदगी से अटे ये शौचालय अब वातावरण को और प्रदूषित कर रहे हैं।

- निजाम कस्बे वासी

सरकार की ओर से स्वच्छ भारत मिशन का दावा किया जाता है। इसके लिए लाखों रुपये आवंटित किए जाते हैं। उसके बावजूद नगर पालिका की ओर से शौचालयों की अनदेखी की जा रही है। शौचालयों की सफाई कराने पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

- अशोक पांचाल कस्बे वासी

शहर के सार्वजनिक शौचालयों में सफाई तक नहीं होती। गंदगी होने के कारण लोगों को शौच करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर पालिका अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा।

- रामकिशन मीणा कस्बे वासी

यहां बनाए गए थे सार्वजनिक शौचालय

शिवनगर में, बालाजी की बगीची के पास,तेजाजी मेला ग्राउंड, ठीमली, अड़ीला,जोस्या का खेड़ा और रोटेदा रोड पर सार्वजनिक सुविधाघर बनाए गए। सार्वजनिक शौचालयों की सफाई करवाई दी जाएगी जमादार को बुलाकर जानकारी लेता पालिका में बजट का अभाव बताया जा रहा हैं। दरवाजे ,कुंडिया और टॉयलेट्स टूटी हुई सीट्स को भी सही करवाने का प्रयास करूंगा।

- दीपक सक सेना,पालिका कार्यवाहक ईओ

पुलिस की कार्रवाई, 9 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की सूचना पर बांसवाड़ा जिले की गढ़ी थाना पुलिस ने सीमेंट की 420 बोरियों से भरे ट्रक को खुद-बुर्द करने के मामले में करीब 9 साल से फरार चल रहे आरोपित ट्रक ड्राइवर आंचल सिंह निवासी कोटिया नवाड़ा थाना लालगंज जिला प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश को महाराष्ट्र के अमरावती जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि अतिरिक्त महानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में वांटेड क्रिमिनल्स के बारे में आसूचना संकलन के लिए पुलिस मुख्यालय से एजीटीएफ की विभिन्न टीमों को अलग-अलग शहरों में रवाना किया गया है, जो पारंपरिक व नवीनतम पुलिसिंग के आधार पर लगातार ऐसे क्रिमिनल्स के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है।

एमएन ने बताया कि पुलिस निरीक्षक सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में एएसआई शंकर दयाल, हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार, नरेंद्र सिंह कमल सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार, रतिराम व चालक सुरेश कुमार की टीम वांटेड क्रिमिनल्स के बारे में आसूचनाएं एकत्रित कर रही थी। इसी दौरान टीम को बांसवाड़ा जिले के गढ़ी थाने में साल 2015 में दर्ज सीमेंट से भरे ट्रक की चोरी के मामले में इनपुट प्राप्त हुए।

इस पर एजीटीएफ ने सूचना को बांसवाड़ा जिले की थाना गढ़ी पुलिस से साझा किया। इस पर एक टीम आरोपी की तलाश में अमरावती जिले में भेजी गई। पुलिस मुख्यालय से इस टीम को लगातार टेक्निकल सहायता उपलब्ध कराई जा रही थी, जिसकी मदद से थाना पुलिस ने आरोपी को डिटेन कर लिया, जिसे पूछताछ के बाद गिरफतार कर लिया गया।

दक्षिण पूर्व क्षेत्र युवा महोत्सव में मानु थियेटर टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन

हैदराबाद (एजन्सी),

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानु) के छात्रों ने बैंगलोर के क्राइस्ट विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज़ (AIU) द्वारा आयोजित 38वें दक्षिण पूर्व क्षेत्र युवा महोत्सव में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। तेलंगाना, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ के अग्रणी विश्वविद्यालयों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए,(मानु) के छात्रों ने माइम प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार और नाटक प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार

जीतकर असाधारण प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

माइम प्रतियोगिता ने मानु टीम की बिना शब्दों के शक्तिशाली संदेश देने की क्षमता को उजागर किया, जो केवल भावों और आंदोलनों पर निर्भर करता है। नाटक प्रतियोगिता में, टीम ने एक बार फिर अपनी सम्मोहक कथा, कुशल अभिनय और प्रभावशाली निर्देशन से प्रभावित किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने मानु टीम को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में स्थान दिलाया है, जो नोएडा के एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा।

मानु के कुलपति, संकाय सदस्यों और छात्रों ने थिएटर टीम की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने कहा, "यह सफलता हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत, समर्पण और रचनात्मक उत्कृष्टता का प्रमाण है। हम उन्हें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

हैदराबाद (एजन्सी), मल्लापुर स्थित चिल्कानगर सिन्दडा परिवार द्वारा कार्यक्रम में अतिथियों के सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक तुलसाराम सिन्दडा सीरवी समाज पारसी गुटा बडेर अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सीरवी समाज कोरेमुला बडेर अध्यक्ष कालुराम काग, संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, सीरवी समाज मल्लापुर बडेर सचिव ओकाराम, ओमप्रकाश पंवार, मोहनलाल सानपुरा,राजुराम बर्फा, गोपाराम मुलेवा, दुर्गाप्रसाद हाम्बड़, प्रकाश, नारायण लाल हाम्बड़, ओमप्रकाश काग, शेषाराम पंवार , प्रकाश , हनुमान,पवन कुमार हाम्बड़, बालकिशन सांखला, बाबूलाल मुलेवा,समाज बन्धु उपस्थित थे।

बहुउद्देशीय पार्क का नाम डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम रखा जाए

करीमनगर (एजन्सी),

करीमनगर नगर निगम की एमआईएम पार्टी सह विकल्प सदस्य राफिया सुल्ताना ने शहर के मुकरमपुरा इलाके में आधुनिक स्पर्श के साथ बनाए गए बहुउद्देशीय पार्क का नाम भारत के दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पार्क रखने के लिए जिलाधीश और नगर निगम आयुक्त को सार्वजनिक रूप से एक याचिका सौंपी।

उन्होंने कहा कि मल्टीपरपज पार्क जल्द ही शुरू होने जा रहा है और उस पार्क को भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जो वैज्ञानिक थे जिन्होंने देश को कई वैज्ञानिक उपकरण दिए का नाम रखे जाने से आने वाली

पीढ़ियों को पता चलेगा कि उनकी सेवाओं से देश को कितना लाभ हुआ है।

उन्होंने कहा कि बहुउद्देशीय पार्क का नाम अबुल कलाम रखने से किसी भी पार्टी को कोई आपत्ती नहीं होगी और सभी पक्षों को स्वीकार्य होगा। उन्होंने जिलाधीश और नगर निगम आयुक्त से बहुउद्देशीय पार्क का नाम भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखने की पहल करने का अनुरोध किया।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयुष्मान भारत के कार्ड हेतु कैम्प आयोजित

हैदराबाद (एजन्सी),

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पिछले शनिवार को भारत सरकार द्वारा घोषित प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए 5 लाख तक की मुफ्त स्वास्थ्य लाभ योजना हेतु कार्ड बनवाए गए थे जिसकी अभूत पूर्व सफलता को देखते हुए ट्रस्ट के कार्यालय घाँसी बाज़ार में कैम्प का आयोजन किया गया दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक 25 आयुष्मान कार्ड बनवाए गए । ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि करीब 10 कार्ड ऐसे बनाए गए जिसमें आंध्र प्रदेश के स्थान पर तेलंगाना करना था तथा 10 कार्ड जो रजिस्टर हो चुके थे उनके कार्ड डाउन लोड कर लाभार्थियों के मोबाइल पर भेज दिए गए । जन मानस की सुविधा हेतु यह सेवा रोज़ाना माँ दुर्गा की कृपा संस्था के कार्यालय घाँसी बाज़ार में 1 बजे से 3 बजे तक निशुल्क उपलब्ध रहेगी अधिक जानकारी हेतु मुकुंद लाल अग्रवाल 9396222880, विनय किशोर तायल 7032412688, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल 9246364212 से संपर्क किया जा सकता है हमारे शहर में कौन से हॉस्पिटल में यह सुविधा उपलब्ध है उसकी लिस्ट भी उपलब्ध है जिनको चाहिए कार्यक्रम से संयोजक से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। कैम्प में ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, कार्यक्रम के संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल, ट्रस्ट के अन्य सदस्य गोवर्धन दास अग्रवाल, अविनाश गुप्ता, शारदा अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल आदि ने अपनी सेवाएँ प्रदान करी।

श्री नाकोड़ा भैरव परिवार हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा द्वारा रक्तदान शिविर

हैदराबाद (एजन्सी)

,श्री नाकोड़ा भैरव परिवार हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा द्वारा रक्तदान शिविर श्री नाकोड़ा भैरव भक्ति संध्या में मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया।

शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में आज के इस भजन संध्या में मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा

सिकंदराबाद द्वारा रक्तदान जागरूकता के लिए रक्तदान शिविर लगाया गया था! जिसमें कुल 55 रक्तवीर रक्तविरंगनाओ ने अपना रक्तदान किया ! सभी रक्तवीर रक्तविरंगनाओ को मंच की और से प्रशस्ति पत्र एवं कप देकर सम्मानित किया गया । रक्तदान शिविर में पधारे अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के डायरेक्टर युवा सुरेश एम जैन , जैन सेवा संघ के अध्यक्ष श्री योगेश जी जैन , आंध्रप्रदेश तेलंगाना प्रांत के सचिव युवा मनीष नाहर,रक्तदान संयोजक युवा मनोज जैन , सिकंदराबाद शाखा के पूर्व अध्यक्ष युवा पप्पू कुमार गोडेला, वरिष्ठ सदस्य नारायण लाल चावड़ा , युवा राजेश व्यास का शॉल , गलपट्टा से स्वागत किया गया ! इस कार्यक्रम को सफल बनाने में निवर्तमान अध्यक्ष वर्षा मखाना, मंचू विनायकिया, सह मंत्री शशि नहर, कोषाध्यक्ष सुमन घोड़ेला, सुनीता डूंगरवाल मीना दुग्गड, संतोष गुजरानी, मंजू घोड़ेला, सुगना घोड़ेला मंजू गांधी, बबीता घोड़ेला,दिव्या घोडेला, पुष्पा कोठारी, रिद्धि बोहरा,भव्य बोहरा, सिद्धि बोहरा का सारणी योगदान रहा। रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की 43वीं तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न

हैदराबाद (एजन्सी),

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), तेलंगाना ने सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए तेलंगाना राज्य में बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए महात्मा ज्योतिराव फुले प्रजा भवन, हैदराबाद में अपनी 43वीं तिमाही समीक्षा बैठक बुलाई है। बैठक में मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू , तुम्माला नागेश्वर राव , विशेष मुख्य सचिव (वित्त), के रामकृष्ण राव, डॉ. बी गोपी, कृषि निदेशक, कमल प्रसाद पटनायक, क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, हैदराबाद , उदय भास्कर, सीजीएम, नाबार्ड, हैदराबाद, राजेश कुमार, सीजीएम, एसबीआई, हैदराबाद सर्कल, प्रकाश चंद्र बरोर, जीएम, एसबीआई और संयोजक, एसएलबीसी, तेलंगाना, भारत सरकार के तेलंगाना सरकार के लाइन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों, आरआरबी, एसएफबी, भुगतान बैंकों के अधिकारी, विभिन्न कृषि और एमएसएमई संघों के प्रतिनिधि उपस्थीत थे। राजेश कुमार, सीजीएम, एसबीआई, हैदराबाद सर्कल ने सितंबर 2024 तिमाही के दौरान तेलंगाना में बैंकों का प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जिसमें वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान अब तक बैंकों की कुल जमा राशि में 23,312 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। और कुल जमा राशि 8,03,265 करोड़ रुपये रही।

बैंकों के पास कुल अग्रिम राशि में 42,800 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई तथा सभी बैंकों के अग्रिम राशि 10,21,858 करोड़ रुपये हो गई। तिमाही के अंत तक सीडी अनुपात 100 प्रतिशत से अधिक बना हुआ है तथा यह 127.21 प्रतिशत पर बना हुआ है। पहली दो तिमाहियों के दौरान बैंकों ने 44,438 करोड़ रुपये के अल्पावधि उत्पादन ऋण वितरित किए हैं, जो खरीफ लक्ष्य का 81.57 प्रतिशत है। बैंकों ने कृषि संबद्ध, कृषि अवसंरचना तथा कृषि सहायक गतिविधियों के लिए निवेश ऋण के रूप में 82,632 करोड़ रुपये वितरित किए हैं, जो लक्ष्य का 71.40 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष में अब तक बैंकों ने प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत 376 करोड़ रुपये के शिक्षा ऋण तथा 1851 करोड़ रुपये के आवास ऋण वितरित किए हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) खंड के लिए बैंकों ने 79,659 करोड़ रुपये वितरित किए हैं, जो लक्ष्य का 61.45% है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत बैंकों ने 5328 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, जो वार्षिक लक्ष्य का 41.16% है। बैंकों ने मिलकर प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न वर्गों के उधारकर्ताओं को 1,66,687 करोड़ रुपये वितरित किए हैं, जो लक्ष्य का 63.58% है। वित्तीय समावेशन के मोर्चे पर; क) वित्तीय सेवा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राज्य में कोई भी बैंकिंग सुविधा रहित ग्रामीण केंद्र नहीं है। b) राज्य में बैंकों के पास 121.52 लाख PMJDY खाते हैं और 98.76 लाख यानी 81.27% PMJDY खाते आधार से जुड़े हैं। 87.86 लाख यानी 72.30% PMJDY खातों को RuPay कार्ड जारी किए गए हैं। c) जहां तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का सवाल है, बैंकों ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) के तहत 174.71 लाख ग्राहकों और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) के तहत 78.61 लाख ग्राहकों को कवर किया है। 20.55 लाख ग्राहकों ने अटल पेंशन योजना के लिए सदस्यता ली है। d) पीएम स्वनिधि योजना 1 के तहत, बैंकों ने 4,25,567 आवेदनों को मंजूरी दी है और 4,22,603 स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण वितरित किए हैं। दूसरे चरण के तहत बैंकों ने 2,16,402 आवेदनों को मंजूरी दी है और 2,10,890 स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण वितरित किए हैं। तीसरे चरण के तहत बैंकों ने 67,081 आवेदनों को मंजूरी दी है और 60,486 वितरित किए हैं। कृषि अवसंरचना निधि के तहत बैंकों ने अब तक 3200 करोड़ रुपये के संचयी लक्ष्य के मुकाबले 2864 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस अवसर पर बोलते हुए कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कृषि और संबद्ध गतिविधियों के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पार करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कृषि अर्थव्यवस्था के विकास पर ध्यान केंद्रित करने में बैंकों से सहयोग मांगा। इसके अलावा उन्होंने बैंकों से कृषक समुदाय को समय पर ऋण वितरित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने की अपील की। भट्टी विक्रमार्क मल्लू, उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त करने में बैंकों के प्रयासों की सराहना करते हुए बैंकों से कृषि, कमजोर वर्गों और स्वयं सहायता समूहों को ऋण देने पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक सूक्ष्म उद्यमों को ऋण से जोड़ा जाना चाहिए, जिससे परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा। प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के दृष्टिकोण से, उन्होंने बैंकों को सलाह दी कि वे कमजोर वर्गों को कृषि, आवास और शिक्षा ऋण पर विशेष ध्यान देने के साथ प्राथमिकता क्षेत्र ऋण में अधिक जोखिम उठाएं।

उन्होंने बैंकों को राज्य के सामाजिक विकास में भागीदारी करने के लिए राज्य सरकार से सभी आवश्यक समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी बैंकों से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार की एक अन्य प्रमुख योजना “इंदिरा महिला शक्ति योजना” को सभी आवश्यक समर्थन देने की अपील की।इस अवसर पर बोलते हुए, विशेष मुख्य सचिव (वित्त) के रामकृष्ण राव ने राज्य में 127% से अधिक के सीडी अनुपात पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों की तुलना में राज्य में किसानों की प्रति व्यक्ति आय कम होने पर चिंता व्यक्त की और बैंकों से किसानों की आय बढ़ाने के लिए रचनात्मक रणनीति बनाने की अपील की। इस दिशा में, उन्होंने बैंकों को उनकी आय के स्तर को बढ़ाने के लिए तेल, ताड़, बागवानी, डेयरी आदि जैसी संबद्ध गतिविधियों के वित्तपोषण पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा, उन्होंने राज्य में बढ़ते साइबर अपराधों के मद्देनजर आम जनता के बीच अधिक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर बल दिया। अंत में, उन्होंने बैंकों से ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया, ताकि रोजगार सृजन प्रभावी ढंग से हो सके। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक कमल प्रसाद पटनायक और नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक उदय भास्कर ने भी अपने विचार रखे। बैठक का समापन एसबीआई के महाप्रबंधक एवं एसएलबीसी, तेलंगाना के संयोजक प्रकाश चंद्र बरोर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

परीलोक -आधुनिक विचारो का सशक्त महिला मंच की मासिक सभा संपन्न

हैदराबाद (एजन्सी),

परीलोक -आधुनिक विचारो का सशक्त महिला मंच की मासिक सभा होटल नातचीतोचेस बंजारा हिल्स हैदराबाद में आयोजित की गई/सभा में सर्दी का सितम कार्यक्रम के आयोजन पर सभी सदस्यों का अभिनन्दन किया गया व् नववर्ष पर आगामी कार्यक्रम को सभी महिलाये विशाल रूप से मनाने का भी निर्णय लिया इस अवसर पर हुए संस्था की सदस्य रंजू अग्रवाल ऋचा अग्रवाल ,कोमल,सोनिआ व् नवनीत,नीना ,राज ने अपनी उपस्थिति दर्ज की/कार्यक्रम के सफल संचालन पर रंजू अग्रवाल को धन्यवाद प्रस्ताव से अभिनन्दन दिया गया।

राजस्थान के सांसद चुरु राहुल कसवां का भव्य स्वागत

हैदराबाद (एजन्सी),

तेलंगाना हैदराबाद राजस्थान से पधारे चुरु सांसद राहुल कसवां धर्मपत्नी नीलू कसवां पुत्री महामहिम जगदीप धनखड़, उप राष्ट्रपति भारत ,,सासद पिए रोहितास धनकड़ ,मनोज ढाका पूर्व सरपंच, जाट नेता विजयपाल चहार बागसरा जाट नेता , महेंद्र डुकीया पूर्व सरपंच सालासर ,गणेश ढाका ,जाट नेता धर्माराम ढाका हैदराबाद विकास शर्मा,रामनिवास गोरचिया,ओमप्रकाश सिंवर,गुलाब बांगड़ा, आंनद शर्मा , गोपाल जाट , ओमप्रकाश गोटीया , जगदीश सीरवी,तुलसाराम बेरा ,सुजाराम कोंकणा का सम्मान किया। इस अवसर पर राजस्थानी प्रवासी उपस्थित थे।

विजय हजारे ट्रॉफी:

बब्बर शेर की तरह दहाड़े ऋतुराज गायकवाड़, 200 के स्ट्राइक रेट से सेंचुरी ठोक किया कमाल

नईदिल्ली, एजेंसी। 2024: विजय हजारे ट्रॉफी में शतकों की बरसात हो रही है. अब महाराष्ट्र के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने सर्विसेज के खिलाफ नाबाद 148 रन बनाए हैं. अभी टूर्नामेंट को शुरू हुए तीसरा ही दिन है कि 10 से भी अधिक खिलाड़ी शतक लगा चुके हैं. गायकवाड़ की शतकीय पारी की बदौलत महाराष्ट्र ने वनडे मैच में 205 रनों के लक्ष्य को 21वें ओवर में ही हासिल कर लिया है. बता दें कि यह विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में गायकवाड़ का कुल 13वां शतक है.

इस मैच में सर्विसेज ने पहले खेलते हुए 204 रन बनाए थे. सर्विसेज के लिए कप्तान मोहित अहलावत 50 रनों का आंकड़ा पार करने वाले अकेले बल्लेबाज रहे. उन्होंने 61 रन की पारी खेली. 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरे महाराष्ट्र को ऋतुराज गायकवाड़ ओम भोसले ने शानदार शुरुआत दिलाई, जिनके बीच 86 रनों की सलामी साझेदारी हुई. भोसले 24 रन बनाकर आउट हो गए, उसके बाद सिद्धेश वीर ने अंत तक कप्तान गायकवाड़ का साथ दिया.

गायकवाड़ एक अलग ही लय में दिखे, जिन्होंने महज 74 गेंदों में 200 के स्ट्राइक रेट से 148 रन बनाए. गायकवाड़ ने 57 गेंद में ही शतक पूरा कर लिया था और उन्होंने अपनी पारी में 16 चौके और 11 छक्के लगाए. अब महाराष्ट्र की टीम 2 मैचों में दो जीत के बाद ग्रुप बी के टॉप पर मौजूद है. इससे पहले महाराष्ट्र ने राजस्थान को 3 विकेट से हराया था.

विजय हजारे ट्रॉफी में सबसे ज्यादा सेंचुरी

अब ऋतुराज गायकवाड़ विजय हजारे ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ 2 शतक दूर हैं. उन्होंने अब तक इस टूर्नामेंट के इतिहास में 13 शतक लगाए हैं, इस सूची में उनसे आगे सिर्फ अंकित बावने हैं, जिन्होंने अपने करियर में विजय हजारे ट्रॉफी में 14 शतकीय पारी खेली थीं. बता दें कि मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में गायकवाड़, महाराष्ट्र के लिए शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी हैं.

16 चौके और 6 छक्के; ईशान किशन ने जड़ा विस्फोटक शतक, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ठोका दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। ईशान किशन ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024 के एक मुकाबले में कमाल कर दिया है. उन्होंने दमदार प्रदर्शन करते हुए शतक जड़ा है. ईशान के शतक के दम पर झारखंड ने मणिपुर को 8 विकेट से हरा दिया है. ईशान ने शतक के साथ ही टीम इंडिया का भी दावा ठोका है. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए ईशान पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड नजर डाल सकता है. दरअसल मणिपुर ने पहले बैटिंग करते हुए 253 रन बनाए. इस दौरान जॉनसन ने 82 गेंदों का सामना करते हुए 69 रन बनाए. वहीं प्रियोजित ने 49 गेंदों का सामना करते हुए 43 रन बनाए. इसके जवाब में झारखंड की टीम ने 2 विकेट गंवाकर मैच जीत लिया. झारखंड के लिए ईशान ने शतक जड़ा. उन्होंने 78 गेंदों का सामना करते हुए 134 रन बनाए. ईशान की इस पारी में 16 चौके और 6 छक्के भी शामिल रहे.

ईशान लंबे वक्त से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उन्होंने आखिरी वनडे मैच अफगानिस्तान के खिलाफ अक्तूबर 2023 में खेला था. ईशान की इसके बाद से टीम इंडिया में वापसी नहीं हो सकी है. लेकिन अब मौका दिया जा सकता है. ईशान ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ भी अर्धशतक जड़ा था. उन्होंने नाबाद 77 रन बनाए थे.

ईशान भारत के लिए अभी तक 27 वनडे मैच खेल चुके हैं. उन्होंने इस दौरान 933 रन बनाए हैं. ईशान एक दोहरा शतक भी लगा चुके हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर 210 रन रहा है.

चैंपियंस ट्रॉफी:

भारत-पाकिस्तान मैच 23 फरवरी को होगा

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्र ने बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के मैचों की मेजबानी के लिए संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर को न्यूट्रल वेन्यू के रूप में चुना गया है. शनिवार रात पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और यूएई के मंत्री शेख नाहयान अल मुबारक के बीच बैठक हुई.

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 19 फरवरी को मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में खेला जाएगा. फाइनल 9 मार्च को लाहौर में होगा. टीम इंडिया का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से होगा. टीम इंडिया अगर नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करती है तो सेमीफाइनल और फाइनल भी दुबई में होंगे.

भारत का पहला मुकाबला 20 फरवरी को होगा भारतीय टीम का पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश के साथ होगा, जबकि आखिरी मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड से होगा. दोनों सेमीफाइनल (4 और 5 मार्च) व फाइनल के लिए एक रिजर्व डे भी रखा गया है. 15 में से 5 मैच यूएई में होंगे 8 टीमों के बीच 15 मैच का टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलना है.

भारत अपने तीनों ग्रुप स्टेज मैच यूएई में खेलेगा. अगर भारत क्वालीफाई करता है तो यहां एक सेमीफाइनल और फाइनल भी खेला जाएगा, जबकि टूर्नामेंट के बाकी 10 मैच पाकिस्तान में हो सकते हैं. गुरुवार यानी 19 दिसंबर को आईसीसी की बैठक में तय हुआ था कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान के बजाय न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगा. साथ ही भारत में 2027 तक होने वाले सभी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तानी टीम भी भारत नहीं आएगी. उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे. भारत में 2025 विमेंस वनडे वर्ल्ड कप, 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में होना है.

हरमनप्रीत और प्रवीण को मिलेगा खेल रत्न अवॉर्ड

मनु भाकर के नाम की नहीं की गई सिफारिश

नईदिल्ली, एजेंसी। हरमनप्रीत वाले कप्तान हरमनप्रीत सिंह और प्रवीण कुमार के नाम पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण की सिफारिश देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए की गई है. पेरिस ओलंपिक में ही पदक जीतने वाले शूटर स्वप्निल कुसाले और पहलवान अमन सेहरावत को खेल सम्मान अर्जुन अवॉर्ड देने की सिफारिश की गई है. पेरिस ओलंपिक में हॉकी टीम को लगातार दूसरा पदक दिलाने वाले कप्तान हरमनप्रीत सिंह और प्रवीण कुमार के नाम की सिफारिश देश के सर्वोच्च जीतने वाले हाईजंपर खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए की गई है. पेरिस ओलंपिक में ही पदक जीतने वाले शूटर स्वप्निल कुसाले और पहलवान अमन सेहरावत को अर्जुन अवॉर्ड देने की सिफारिश की गई है.

वहीं, पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर के नाम की सिफारिश शीर्ष खेल पुरस्कार के लिए नहीं की गई है. बताया जाता है कि मनु ने खुद से खेल रत्न के लिए आवेदन नहीं किया, लेकिन खेल मंत्रालय ने भी इस पुरस्कार के लिए उनके नाम पर स्वतः संज्ञान नहीं लिया. मंत्रालय ने बीते वर्ष ही क्रिकेटर मोहम्मद शमी के नाम पर स्वतः संज्ञान लेकर अर्जुन अवॉर्ड दिया था. हालांकि मनु के पिता रामकिशन भाकर का कहना है कि मनु ने खेल रत्न के लिए आवेदन किया था.

बॉक्सिंग डे टेस्ट की पिच बुमराह समेत तेज गेंदबाजों के लिए मददगार होगी!

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के क्यूरेटर मैट पेज ने कहा कि गुरुवार से शुरू हो रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए ड्रॉप-इन

पिच भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह समेत सभी तेज गेंदबाजों के लिए मददगार होगी. बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में बुमराह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं.

सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर है और उन्होंने 10.9 की औसत से 21 विकेट लिए हैं. मुझे लगता है कि अब जब भी तेज गेंदबाज यहां आते हैं तो वे उत्साहित हो जाते हैं. यह हमारे लिए अच्छा है. पेज ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा,हम कभी भी पर्थ या ब्रिस्बेन जितने तेज नहीं होंगे, लेकिन पिछले कुछ सालों में हम इसमें कुछ गति लाने में कामयाब रहे हैं, जिससे यह उत्साह पैदा हुआ है. इस पर थोड़ी घास है.

पीवी सिंधु वेडिंग:

उदयपुर में शादी के बंधन में बंधीं पीवी सिंधु

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु शादी के बंधन में बंध गई हैं. धूमधाम से उनकी शादी राजस्थान के उदयपुर में हुई. उन्होंने बिजनेसमैन वेंकट दत्ता साई संग सात फेरे लिए. पीवी सिंधु और वेंकट की शादी की पहली तस्वीर भी सामने आ चुकी है. इसमें दोनों की जोड़ी बेहद खूबसूरत लग रही है. फैंस दोनों को शादी की शुभकामनाएं और बधाई दे रहे हैं. हिंदू रीति रिवाज से शादी के बंधन में बंधने के साथ ही सिंधु और वेंकट हमेशा-हमेशा के लिए एक दूसरे के हो गए. बता दें कि सिंधु और वेंकट 22 दिसंबर को शादी के बंधन में बंधे हैं. विवाह समारोह को बेहद प्राइवेट रखा गया है. सिंधु ने

अब तक अपनी शादी की तस्वीरें शेयर नहीं की है. हालांकि इस शादी में शामिल रहे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दोनों की शादी की तस्वीर शेयर की है. इसमें शेखावत भी नजर आ रहे हैं. उन्होंने नवविवाहित जोड़े की शादी की तस्वीर शेयर करते हुए अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'कल शाम उदयपुर में वेंकट दत्ता साई के साथ हमारे बैडमिंटन चैंपियन ओलंपियन पीवी सिंधु के विवाह समारोह में शामिल होकर खुशी हुई और मैंने इस जोड़े को उनके नए जीवन के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया'.

सिंधु ने पहनी गोल्डन क्रीम कलर की साड़ी

सामने आई तस्वीर में सिंधु और वेंकट बैठे हुए हैं. जबकि गजेंद्र सिंह उन्हें आशीर्वाद दे रहे हैं. आस-पास और भी कुछ लोग नजर आ रहे हैं. अपनी शादी के लिए सिंधु ने गोल्डन क्रीम कलर की साड़ी चुनी थी. वहीं उन्होंने हैवी ज्वेलरी भी कैरी की. हालांकि सिंधु ने शादी के कई घंटों बाद भी सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट नहीं की है. फैंस को उनकी पोस्ट का बेसब्री से इंतजार है.

24 दिसंबर को होगा ग्रैंड रिसेप्शन

गजेंद्र सिंह शेखावत के अलावा सिंधु को आशीर्वाद देने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी पहुंचे थे. सिंधु और आईटी प्रोफेशनल वेंकट दत्ता साई की शादी उदयपुर में लेकसिटी के बीच बने होटल राफेल्स में धूमधाम से हुई. शादी में करीबी और परिवार के लोग ही शामिल हुए. अब कपल 24 दिसंबर को हैदराबाद में एक ग्रैंड रिसेप्शन का आयोजन करने जा रहा है जिसमें खेल जगत के अलावा फिल्म और राजनीतिक जगत की बड़ी हस्तियां शामिल हो सकती है.

ऑस्ट्रेलिया ने जीता आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का खिताब

वेलिंगटन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड पर 75 रनों की शानदार जीत के साथ अपने 24 मैचों के आईसीसी महिला चैम्पियनशिप अभियान का समापन किया, जिससे उसे टूर्नामेंट स्टैंडिंग में अजेय बढ़त हासिल हुई और प्रतियोगिता में अपना लगातार तीसरा खिताब जीता.

39 अंकों (17 जीत, तीन परिणाम नहीं, तीन हार) के साथ समाप्त होने वाले ऑस्ट्रेलिया का कुल स्कोर किसी भी अन्य टीम की पहुंच से परे है. भारत, उनका निकटतम प्रतिद्वंद्वी, वेस्ट इंडीज (दो) और आयरलैंड (तीन) के खिलाफ अपने शेष मैचों के साथ केवल 37 अंकों तक ही पहुंच सकते हैं. इस हार का न्यूजीलैंड के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव है, जो अब 2025 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए स्वचालित योग्यता के बारे में अनिश्चितता का सामना कर रहा है. वर्तमान में 24 मैचों में 21 अंकों के साथ अंतिम स्वचालित स्थान पर बैठे, वे बांग्लादेश (19 अंक, तीन मैच शेष) या वेस्टइंडीज (14 अंक, पांच मैच शेष) से ??आगे निकलने के लिए कमजोर हैं.

यदि बांग्लादेश या वेस्टइंडीज आगे निकल जाते

हैं, तो न्यूजीलैंड को क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर में प्रतिस्पर्धा करनी होगी, जहां छह टीमें अंतिम दो टूर्नामेंट स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं. ऑस्ट्रेलिया की जीत ने श्रीलंका के लिए एक स्वचालित विश्व कप स्थान भी सुरक्षित कर दिया है, जिसे अब हाथ में मैच रखने वाली टीमों द्वारा विस्थापित नहीं किया जा सकता है. इस मैच ने महिला क्रिकेट में सबसे प्रभावशाली टीमों में से एक के रूप में ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया.

पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनने वाली एलिसा हीली और फोबे लिचफील्ड ने 88 रन की ओपनिंग साझेदारी के साथ एक मजबूत नींव रखी. एनाबेल सदरलैंड (43 गेंदों पर 42 रन) और एश्ले गार्डनर (62 गेंदों पर 74 रन) के योगदान से मेहमान टीम ने 290 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया. जवाब में, न्यूजीलैंड 20वें ओवर में 106/1 पर मजबूत स्थिति में दिख रहा था, लेकिन सूजी बेट्स को आउट करने के लिए बाउंड्री कैच और मेली केर के रन आउट ने गति बदल दी.

पाकिस्तान ने 36 रन से जीता तीसरा वनडे

साउथ अफ्रीका को पहली बार उसी के घर में क्लीन स्वीप किया

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरा वनडे मैच 36 रन से जीत लिया है. इस जीत के साथ टीम ने 3 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप कर लिया है. ऐसा पहली बार हुआ है जब पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ क्लीन स्वीप करने में कामयाब रही है. जोहान्सबर्ग में रविवार को खेले गए इस बारिश से प्रभावित मुकाबले का फैसला डकवर्थ लुईस मैथड से हुआ. साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला लिया. पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47 ओवर में 9 विकेट पर 308 रन बनाए. जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 42 ओवर में 271 रन पर ऑलआउट हो गई. सईम अयूब प्लेयर ऑफ द मैच रहे. उन्होंने 101 रन की शतकीय पारी खेली. 2 कैच पकड़े और एक विकेट भी लिया. उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया.

सईम की सेंचुरी, बाबर-रिजवान ने फिफ्टी जमाई टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही. टीम ने एक रन के स्कोर पर अब्दुल्लाह शफीक का विकेट गंवाया. ऐसे में ओपनर सईम अयूब ने बाबर आजम के साथ मिलकर टीम को 100 रन का आंकड़ा पार कराया. फिर कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 53, आगा सलमान ने 48 और तयुब ताहिर ने 28 रन की पारियां खेलकर टीम को 308 रन के स्कोर तक पहुंचा दिया.

सईम अयूब ने 101 रन की पारी खेली. उन्होंने 94 बॉल का सामना किया.

कगिसो रबाडा को 3 विकेट साउथ अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा ने 3 विकेट झटके. मार्को यानसन और ब्योर्न फोर्टुइन को 2-2 विकेट मिले. क्वेना मफाका और कॉर्बिन बॉश के हिस्से एक-एक विकेट आए. क्लासेन की फिफ्टी, यानसन के साथ अर्धशतकीय साझेदारी 308 रन का संशोधित टारगेट चेज कर रही साउथ अफ्रीका ने लगातार विकेट गंवाए. टीम की ओर से टॉप-5 विकेट के लिए कोई बड़ी साझेदारी नहीं हो सकी.

विनोद कांबली अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर, लेकिन खतरे से बाहर नहीं पूर्व क्रिकेटर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व बल्लेबाज विनोद कांबली की तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें ठाणे के अस्पताल में भर्ती किया गया है. कांबली पिछले काफी समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना कर रहे हैं. कई पूर्व क्रिकेटर्स ने कांबली की मदद का वादा भी किया था. भर्ती होने के बाद कांबली की हालत स्थिर है हालांकि वह अब भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं हैं.

52 साल का यह क्रिकेटर कई तरह की बीमारियों से जूझ रहा है. हाल ही में विक्की लालवानी के यूट्यूब चैनल पर कांबली ने अपनी तबीयत के बारे में बताया था. उन्होंने कहा, 'मैं यूरिन (पेशाब) से संबंधित परेशानी का सामना कर रहा था. वह बहता ही रहता था. मेरे बेटे जीसस ने मुझे उठाकर अपने पैरों पर खड़ा किया. मेरी बेटी जो कि 10 साल बड़ी है वह और मेरी पत्नी मदद के लिए आगे आए.

इंडिया-वेस्टइंडीज:

टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को हराया

नईदिल्ली, एजेंसी। वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज जीतने के बाद भारतीय महिला टीम ने वनडे सीरीज की शुरुआत भी इसी अंदाज में की है. वडोदरा के नए स्टेडियम में पहली बार खेले गए मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत कौर की टीम इंडिया एकतरफा अंदाज में वेस्टइंडीज को 211 रन से हरा दिया.

उप-कप्तान स्मृति मंधाना के बल्ले से लगातार चौथी पारी में 50 से ज्यादा का स्कोर निकला, जिसके दम पर टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 314 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया. इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम ज्यादा देर नहीं टिक पाई और सिर्फ 103 रन पर ढेर हो गई. रविवार 22 दिसंबर को तीन मैच की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने विस्फोटक शुरुआत की. इस मैच से अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर रहीं युवा बल्लेबाज प्रतीका रावल (40) ने मंधाना के साथ ओपनिंग की और दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 110 रन की बेहतरीन साझेदारी की.

रेणुका ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आखिरी वनडे मैच में शानदार शतक और फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में लगातार अर्धशतक लगाने वाली मंधाना ने एक बार फिर 50 का आंकड़ा पार किया. मंधाना हालांकि अपना शतक पूरा नहीं कर सकीं और 91 के स्कोर पर आउट हो गईं. स्मृति ने अपने वनडे करियर में वो चौथी बार 'नर्वस नाइंटीज' पर आउट हुईं. स्मृति के आउट होने के बाद मिडिल ऑर्डर में कप्तान हरमनप्रीत कौर (34), ऋचा घोष (26) और जेमिमा रॉड्रिग्स (31) ने छोटी लेकिन तेज पारियां खेलीं, जिनके दम पर टीम इंडिया बड़े स्कोर तक पहुंच पाई. वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ 20 साल की स्पिनर जाइदा जेम्स ने कमाल की गेंदबाजी की और 8 ओवर में 45 रन देकर 5 विकेट लिए.

रेणुका ने पूरी टीम को दहलाया

इसके जवाब में वेस्ट इंडीज की शुरुआत ही बेहद खराब रही और पारी की पहली ही गेंद पर विस्फोटक ओपनर कियाना जोसेफ रन आउट हो गई. इसके बाद रेणुका सिंह और तीतास साधु का जलवा दिखा, जिनकी स्विंग होती गेंदों का वेस्टइंडीज की बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था. रेणुका ने तीसरे और पांचवें ओवरों में वेस्टइंडीज को 2 सबसे बड़े झटके देकर टीम की हार तय कर दी थी. भारतीय पेसर ने पहले तो विंडीज कप्तान हेली मैथ्यूज का विकेट लिया और फिर धमाकेदार बल्लेबाज डिएंड्रा डॉटिन को बोल्ड कर दिया. वहीं तीतास ने रशादा विलियम्स को बोल्ड कर दिया. सिर्फ 11 रन तक वेस्टइंडीज के 4 विकेट गिर गए थे और ये सिलसिला यहां भी नहीं रुका. रेणुका ने फिर विंडीज मिडिल ऑर्डर को ध्वस्त किया और 20.1 ओवर में 66 रन तक ही उसके 8 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए थे. रेणुका (5/29) ने शिमेन कैम्पबेल को आउट कर 5वां विकेट गिराया और अपना 5वां विकेट हासिल किया.

अखिल भारतीय सीरवी समाज वालीबॉल प्रतियोगिता महाकुम्भ का हुआ समापन

बेंगलूरू (एजन्सी),

सीरवी समाज कर्नाटक ट्रस्ट बलेपेट व माताजी स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय सीरवी समाज वॉलीबॉल प्रतियोगिता महाकुम्भ का समापन रविवार को मागडी रोड जोगरनहल्ली स्थित आईधाम मैदान में हुआ। शनिवार को लीग मैच खेले गये।

दूसरे दिन रविवार को क्वाटर फाईनल, सेमी फाईनल, फाईनल मैच खेले गये। फाईनल मुकाबला सीरवी पुणे व जेडीमेटला ए. हैदराबाद के बीच खेला गया। जिसमें जेडिमेटला ए. टीम ने अपनी शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया। वही रनर सीरवी पुणे टीम रही। तीसरे स्थान पर मिरपेट डी.एस.सी.रही।

चौथे स्थान पर केंगेरी ए. टीम रही। मेन ऑफ दा मैच राकेश, मेन ऑफ दा सिरिज गोविंद, बेस्ट नेटर मनोज, बेस्ट शुटर उमेश, बेस्ट डिफेंडर महेंद्र, बेस्ट सेंटर यशवंत रहे। प्रतियोगिता के आयोजक सीरवी समाज कर्नाटक बलेपेट की ओर से विजेता टीमो व खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

इस प्रतियोगिता में सभी टीमों के कप्तान को मोमेटों व साफा पहनाकर सम्मान किया गया। समापन समारोह में पधारे मुख्य अतिथि के रूप में सीरवी महासभा कर्नाटक के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार, महासचिव अमरचन्द सानपुरा, पूर्व अध्यक्ष विरमराम सोलंकी और मुम्बई, पुणे, हैदराबाद, मैसूरू, बेंगलूरू, तुमकूर व अन्य क्षेत्र के वडेरों के पदाधिकारी एवं संस्था के अध्यक्ष हरिराम गेहलोत, उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया, सह-सचिव भंवरलाल गेहलोत, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा, सह-कोषाध्यक्ष लक्ष्मण राम पंवार, खेल मंत्री कैलाश भायल, खेल मंत्री दुदाराम काग, शेषाराम भायल, जगदीश चोयल, रामलाल काग, नेमाराम गेहलोत, शेषाराम सेंणचा, मांगीलाल चोयल,राजूराम बर्फा, गोपाल सेंणचा आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में कार्यकारिणी के सभी सदस्य, सेवा संघ सदस्य, सांस्कृतिक समिति, गेर मंडल, महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। संचालन सह-सचिव भंवरलाल गेहलोत ने किया।

26 से 29 दिसंबर तक विश्व जागृति मिशन का विराट-भक्ति-सत्संग का आयोजन

हैदराबाद (एजन्सी),

विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में परमपूज्य सद्गुरुदेव श्रध्देय श्री सुधांशुजी महाराज के पावन सान्निध्य में ललीत कला तोरणम पब्लिक गार्डन नामपल्ली हैदराबाद में चार दिवसीय विराट-भक्ति-सत्संग का आयोजन 26 दिसंबर से 29 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा । विराट-भक्ति-सत्संग कार्यक्रम को सफल बनाए जानें हेतु रविवार को आबिड्स स्थित हिरा-हॉल में एक विशेष आवश्यक बैठक

का आयोजन मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर की अध्यक्षता में किया गया । इस महत्वपूर्ण बैठक में श्री प्रेमसिंह राठौर, अशोक कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, बंकटलाल गिल्डा, नरेश बब्बानी,बी. सी. जोधानी,जसमत भाई पटेल, कमलेश जी महाराज,रिध्देश जागीरदार, सुमेरसींह राठौर, रतनसींह शेखावत, नंदगोपाल भट्टड, डी.गोपाल, राजकुमार दायमा, सज्जनलाल श्रीवास्तव, पी.रघुवीर,फुसाराम प्रजापत, शिवराज पाटिल, राजू भागचंदानी, भाग्यनारायण, प्रकाश देवकर, भरत सुत्रवे, श्यामराव बागाडे,अमरसिंह, सनातन शेंडगे,विलासराव बिरादर, चंदनसींह चौहान, रामहजुर विश्वकर्मा,डॉ.सवरूपानंद नायक, डॉ. अनूप भटनागर, श्रीमती आसमान कंवर राठौर, उर्मीला साबु , शिबानी मैथी, सुधा सींह, कांता अग्रवाल, सुनिता मगनानी, सरोज अग्रवाल, कालींदी चिंतावार, बबीता नागरे, इंद्रानी भोपे, मंजु अग्रवाल, ममता शर्मा , लिला सोनी आदी उपस्थित थे। मिशन हैदराबाद मंडल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल नें समस्त गुरूभक्तो को धन्यवाद देकर विराट-भक्ति-सत्संग सत्संग कार्यक्रम सफल बनाने का अनुमोदन किया।

रेवती के परिवार के साथ खड़ा है वैश्य समाज

हैदराबाद (एजेंसी),

रेवती के परिवार के साथ खड़ा है वैश्य समाज वीबीजी के संस्थापक मडिपाडिगे राजू ने कहा कि वैश्य समाज संध्या थिएटर घटना में मृत रेवती के परिवार के साथ खड़ा है। वीबीजी फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रतिनिधियों ने सोमवार को रेवती के पति भास्कर से मुलाकात की और परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान की। सिलवेल प्रमुख बंडारू सुब्बाराव ने कहा कि वैश्यों को जहां भी कोई खतरा होगा वे उनके साथ खड़े रहेंगे. रेवती के परिवार की मदद करने वालों में काशी, इम्मादी रमेश, राम सत्यनारायण, अलापति श्रीकर, पब्बती रवि, कोल्लीपारा रवि, नरेश, डॉ. श्रीकांत, चिकोटी दयाकर और अन्य शामिल थे।

उन्होंने रेवती के परिवार की मदद करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

हैदराबाद (एजेंसी),भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी.नरसिम्हा की 20वीं पुण्यतिथि के अवसर पर नवभारत निर्माण संघ द्वारा अमृत सम्मेलन हॉल राघव रतन टावर में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रख्यात कवियों श्रीमती सुधा ठाकुर डॉ. कुमुदबाला, डॉ. मुमताज सुल्ताना रेखा वर्मा को सामाजिक कार्यकर्ता अमृत कुमार जैन, संघ के अध्यक्ष एस रवि कुमार डॉ. पी. अंकैया ने सम्मानित किया।

29 दिसंबर को अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा का अन्नकूट प्रसाद

हैदराबाद (एजन्सी),

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झुल्ला शाखा की मीटिंग शाखाध्यक्ष गोविंदराम अग्रवाल (पचेरिया) की अध्यक्षता में श्री राणीसती दादी के मंदिर में सम्पन हुई|

मीटिंग में शाखा द्वारा रविवार 29 दिसंबर को मध्यान्ह 1बजे से 4 बजे तक श्री राणी सती दादीजी के मंदिर में ही आयोजित किये जाने वाले अन्नकूट प्रसाद पर विस्तृत चर्चा की गयी | अन्नकूट प्रसाद का निर्णय शाखा की पूर्ववत की गई मीटिंग में लिया गया गया था | जिसमे कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न करने के लिए प्रधान संयोजक दीपक अग्रवाल (पचेरिया) को व् सह - संयोजक मनोज अग्रवाल (गोशालावाला) अशोक अग्रवाल

(सोलानावाला) हरिनारायण अग्रवाल बबिता अग्रवाल (मित्तल) को बनाया गया था | आज शाखा के मानद मंत्री सज्जन अग्रवाल (बायॅवाला) ने बताया की मीटिंग में शाखा के सभी सदस्यो को परिवार सहित व् शाखा की महिला समिति को आमंत्रित करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया | अन्नकूट प्रशाद के प्रधान संयोजक दीपक अग्रवाल (पचेरिया) ने बताया की कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी गई है | अवसर पर शाखा के अनिल अग्रवाल (धरसुवाला), शाखा उपाध्यक्ष व् प्रचार प्रसार प्रभारी योगेंद्र क़टारुका, शाखा कोषाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल(सर्राफ), शिवकुमार अग्रवाल (जाखणीवाला) मनोज अग्रवाल (गोशालावाला)मनोज अग्रवाल (मित्तल) अशोक अग्रवाल (सोलानावाला) शिवभगवान अग्रवाल (बायॅवाला) कमल किशोर अग्रवाल आदि उपस्थित थे | अनिल धरसुवाला के धन्यवाद् के साथ मीटिंग समाप्त हुई |

तेलंगाना के छात्र युवा संगम कार्यक्रम के तहत एनआईटी हमीरपुर की परिवर्तनकारी यात्रा पर निकले

हैदराबाद (एजन्सी),

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय ((मानु)) ने हाल ही में एक जीवंत विदाई समारोह देखा, जब तेलंगाना के 50 छात्रों का एक दल हिमाचल प्रदेश के एनआईटी हमीरपुर की परिवर्तनकारी यात्रा पर निकला। यह रोमांचक प्रयास युवा संगम कार्यक्रम का हिस्सा है, जो एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB) के तहत एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के विविध क्षेत्रों के बीच एकता और समझ को बढ़ावा देना है। तेलंगाना के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से भाग लेने वाले छात्र, शैक्षणिक विषयों के एक जीवंत क्रॉस-सेक्शन का प्रतिनिधित्व करते हैं। हिमाचल प्रदेश में उनका सात दिवसीय प्रवास एक मनोरंजक अनुभव होने का वादा करता है, जो सांस्कृतिक अन्वेषण, तकनीकी अंतर्दृष्टि और सामाजिक संपर्क का एक अनूठा मिश्रण प्रदान करता है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किया गया यह कार्यक्रम पाँच प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित है: पर्यटन, परम्परा, प्रगति, परस्पर संपर्क और प्रौद्योगिकी।

उत्साही दल को संबोधित करते हुए, (मानु) के प्रभारी कुलपति प्रो. पी. एफ. रहमान ने युवा संगम के गहन महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल केवल पर्यटन से आगे बढ़कर है; यह युवा दिमागों को भारतीय संस्कृति, इतिहास और उपलब्धियों के समृद्ध ताने-बाने से जुड़ने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में कार्य करती है। हिमाचल प्रदेश के विविध परिदृश्यों, परंपराओं और विकासात्मक प्रगति का प्रत्यक्ष अनुभव करके, छात्र विभिन्न क्षेत्रों के अनूठे चरित्र और हमारे राष्ट्र को परिभाषित करने वाली उल्लेखनीय विविधता के बारे में अमूल्य जानकारी प्राप्त करेंगे। एमएएनयूयू में डीन और मास कम्युनिकेशन के प्रमुख और तेलंगाना में युवा संगम कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रोफेसर मोहम्मद फरियाद ने छात्रों से स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने, उनके अनुभवों से सीखने का अवसर अपनाने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सार्थक योगदान देने का आग्रह किया।

प्रोफेसर फरियाद ने जोर देकर कहा कि युवा संगम केवल दर्शनीय स्थलों की यात्रा नहीं है; यह आत्म-खोज और अंतर-सांस्कृतिक शिक्षा की एक परिवर्तनकारी यात्रा है। कांस्य पदक विजेता और फ्लैग ऑफ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नंदिनी अगासरा ने युवा संगम के गहन प्रभाव को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल युवाओं को भारत की विविध विरासत की गहरी समझ को बढ़ावा देने और राष्ट्र की प्रगति के प्रति साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करती है। सहायक नोडल अधिकारी श्री मेराज अहमद ने कार्यक्रम की बहुआयामी प्रकृति पर प्रकाश डाला।

राधे-राधे ग्रुप, भाग्यनगर, नित्य अन्नप्रसाद सेवा

हैदराबाद (एजन्सी),

पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली, भाग्यनगर, हैदराबाद में अल्पाहार (नाश्ता) परोसा गया। पौष मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि व टियाना मेधांश धनीश के जन्मदिन पर छोटेलालजी मातादी तुलस्यान परिवार द्वारा सेवा प्रदान की गई।

अवसर पर रमा देवी तुलस्यान सचिन दिव्या नवीन प्रेरणा टियाना मेधांश धनीश जगत नारायण अग्रवाल राजकुमारी अग्रवाल-सतीश गुप्ता रामप्रकाश अग्रवाल सुनीता अग्रवाल महेश अग्रवाल बबीता अग्रवाल अशोक अग्रवाल भगतराम गोयल संजय अग्रवाल सविता अग्रवालई. जगन (चंपापेट) नंदकिशोर अग्रवाल प्रीतिका अग्रवाल कैलाश चंद केडिया निर्मला केडिया सुशील गुप्ता शीतल गुप्ता नंदू भटे पवन गुरुजी और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net